जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 32 संख्याः 107 प्रभात अजमेर, बुधवार, 19 नवम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'राहुल की मुख्य समस्या है वे ''हैंड्स ऑन'' लीडर नहीं हैं'

और ना ही उनके पास ऐसे नेता हैं, जो भाजपा नेताओं जैसा माइक्रो मैनेजमैंट कर सकें और रणनीति बना सकें

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। बिहार में मिली हार से ध्यान हटाने और यह दिखाने के लिए कि कांग्रेस नेतृत्व आने वाले साल में विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनावों और उनसे जुड़े मुद्दों पर सक्रिय है, कांग्रेस ने आज एसआईआर पर एक बैठक की। इसमें उन 12 राज्यों के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को बुलाया गया, जहाँ चुनाव आयोग ने एसआईआर लागू किया है।

बिहार में क्या गलत हुआ, किसकी ज़िम्मेदारी थी, किसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए-इन सवालों पर न तो कोई विश्लेषण हुआ, न आत्ममंथन, न तथ्य-जांच, न चिंतन-मनन। ऐसा लग रहा है, मानो रात गई, बात गई वाला रवैया अपना लिया गया है।

- कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो यहाँ तक कहा कि कांग्रेस नेताओं में एसआईआर से निपटने के प्रति ना तो गंभीरता है ना ही इच्छा शक्ति। वे ध्यान भटकाने के लिए सिर्फ दिखावा करते हैं।
- उक्त नेता ने कहा, ऐसे नेताओं की वजह से जिला स्तर पर सशक्त अध्यक्ष नियुक्त करने का राहुल का सपना भी बदहाल है। क्योंकि ये नेता खुद मैदान छोड़ना नहीं चाहते और ना ही नए लोगों को आगे आने देना चाहते हैं, वे सिर्फ अपने वफादारों को ही नियुक्त करवाना चाहते हैं, ताकि नियंत्रण उनके हाथों में रहे।
- एसआईआर के मसले पर बुलाई गई 12 राज्यों के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक से ऐसा लगता है कि कांग्रेस के लिए बिहार की हार ''रात गई बात गई'' की तरह है। बिहार की हार पर चिंतन मनन तो दूर बिहार के नेताओं को बुलाकर कारण तक नहीं पूछे गए।

बिहार के नेताओं को दिल्ली बुलाकर यह पूछने की भी ज़रूरत नहीं समझी गई कि वहाँ ऐसी स्थिति क्यों बनी और पार्टी 61 में से सिर्फ 6 सीटें ही क्यों जीत पाई। पीसीसी अध्यक्ष और सीएलपी अध्यक्ष दोनों चुनाव हार गए, जहां पूर्व पीसीसी अध्यक्ष, जिन्हें राहुल गांधी और उनकी टीम ने तेजस्वी यादव और आरजेडी के क़रीब होने के कारण निशाना बनाया था, अब कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बोल रहे हैं।

पार्टी ने तय किया है कि दिसंबर की शुरुआत में रामलीला मैदान में एसआईआर मुद्दे पर एक बड़ी रैली की जाएगी।

जब मुकुल वासनिक ने निचले स्तर प्रभारी तक सभी स्तरों पर जवाबदेही तय करने की बात उठाई, तो कहा गया कि हाँ, यह किया जाना चाहिए।

ब्लॉक स्तर पर संगठन पूरी तरह बिखरा हुआ है, और संगठन को दुरुस्त करने की कोई कोशिश नहीं हुई है।

राहुल गांधी का सपना था कि ज़िले के अध्यक्ष पूरी ताकत और अधिकार के साथ नियुक्त हों, लेकिन यह सपना भी बदहाल अवस्था में है। राज्य के वरिष्ठ नेता मैदान छोड़ना नहीं चाहते और वे नए लोगों को आगे आने नहीं दे रहे। सभी ने मिलकर यही सुनिश्चित किया है कि उनके ही वफादारों को पद मिले, ताकि नियंत्रण उन्हीं के पास रहे।

एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं में एसआईआर के मसलों से निपटने का न तो विवेक है न ही गंभीरता और न ही इच्छा शक्ति, वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चिली की पूर्व राष्ट्रपति को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। चिली की पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता मिचैल बाचलै को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए 2024 का इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार समारोह बुधवार को यहां जवाहर भवन राजेन्द्र प्रसाद रोड में आयोजित किया जाएगा। पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन की अध्यक्षता वाले

- दिल्ली के जवाहर भवन में सोमवार को पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल ने प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिचैल बाचलै को 2024 के इस पुरस्कार के लिये चुना था। उन्हें कल यहां आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। समारोह में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित, कई प्रमुख नेताओं के मौजूद रहने की संभावना है।

20 नवंबर को दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे नीतीश

पटना के गांधी मैदान में होगा भव्य समारोह, प्र.मंत्री मोदी भी शामिल होंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवंबर। विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा को दिए जाने के बारे में फैसला हो जाने के बाद, अब सवाल यह है कि जनता दल (यू) 20 नवंबर को नए बिहार मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण से पहले, गृह विभाग अपने पास रखना सुनिश्चित कर पाएगा या नहीं।

सरकार के गठन से पहले, जेडीयू के वरिष्ठ नेता संजय झा और लल्लन सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा भी मौजूद थे। समझा जाता है कि भाजपा नेताओं ने साफ कह दिया है कि पार्टी विधानसभा अध्यक्ष का पद नहीं छोड़ेगी, और साथ ही, उन्होंने गृह विभाग भी भाजपा को देने की मांग की है। पिछली सरकार में यह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास था।

शपथ ग्रहण समारोह पटना के गांधी मैदान में पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान जैसे शीर्ष भाजपा नेता मौजूद रहेंगे। ये नेता बुधवार को पटना पहुँचेंगे।

- स्पीकर का पद तो भाजपा ने येन-केन-प्रकारेण हासिल कर लिया है। पर, जद (यू) गृह मंत्रालय छोड़ने को तैयार नहीं है। गत सरकार में गृह मंत्रालय नीतीश कुमार के पास ही था।
- पिछली बार भाजपा के 74 विधायक थे और जद (यू) के 43, इसलिए तब भाजपा के पास 22 मंत्री पद थे और जद (यू) के पास 12 मंत्री ही थे। पर, इस बार जद (यू) की सीटें (85), भाजपा की सीटों (89) के बराबर हैं। इसलिए जद (यू) ज्यादा समझौता नहीं करेगी।
- यही नहीं, इस बार सहयोगी दलों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और उनकी भी मांग बढ़ी है। चिराग पासवान ने अपनी पार्टी के लिए तीन पद मांगे हैं, उन्हें दो के लिए मनाने की कोशिश की जा रही है।

नई सरकार में भाजपा को 16 मंत्री पद मिलेंगे और जेडीयू को 14, इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अलग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थरुर ने फिर मोदी के कसीदे पढ़े, कांग्रेस तिलमिलाई

कांग्रेस नेता शशि थरुर ने एक्स पर लिखी पोस्ट में प्र.मंत्री मोदी के भाषण की जोरदार तारीफ की और कहा कि वे श्रोताओं में शामिल थे, इस पर उन्हें गर्व है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फिर तारीफ़ कर दी, जिससे मंगलवार को पार्टी नेतृत्व उनसे एक बार फिर नाराज़ हो गया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि उन्हें दिल्ली के एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, जहाँ प्रधानमंत्री ने भाषण दिया। प्रधानमंत्री ने ''विकास के लिए भारत की रचनात्मक बेचैनी'' और ''औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर आगे बढ़ने'' की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

थरूर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने ''इस बात पर जोर दिया कि भारत अब सिर्फ एक 'उभरता हुआ बाज़ार' नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक 'उभरता हुआ मॉडल' बन चुका है।'' दुनिया ने भारत की मज़बूत अर्थव्यवस्था को महसूस किया है, जिसने महामारी जैसे वैश्विक संकट और यूक्रेन संघर्ष के समय भी अपने अस्तित्व को संभाले रखा।

- तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने बताया कि उन्हें दिल्ली में एक प्राइवेट इवेंट में बुलाया गया था और उस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का भाषण भारत की आर्थिक सोच और विकास के प्रति राष्ट्र की व्यग्रता को दर्शाता है।
- कार्यक्रम के वीडियो में शशि थरूर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद व पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आज़ाद के साथ बैठे नज़र आए।
- थरुर कई बार प्रधानमंत्री की तारीफ कर चुके हैं, जिससे इन अटकलों को हवा मिल रही है कि वे कांग्रेस छोड़ने की तैयारी में हैं।

थरूर के अनुसार, ''प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि लोग उनपर हमेशा चुनाव मोड में रहने का आरोप लगाते हैं... लेकिन वास्तव में वे जनता की समस्याएँ दूर करने के लिए भावनात्मक मोड में थे।'' प्रधानमंत्री का भाषण मुख्य रूप से भारत की शिक्षा प्रणाली पर उपनिवेशवाद के प्रभाव पर केन्द्रित था।

कार्यक्रम की तस्वीरों में थरूर भाजपा नेता और पूर्व कानून मंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव आज

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड ने मंगलवार को बिहार में पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिये वरिष्ठ पार्टी नेता और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक, केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल और पूर्व केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति को

- भाजपा संसदीय बोर्ड ने केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक नियुक्त किया।

सह पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

इन तीनों नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को पटना में भाजपा दल का नेता चुना जाएगा। ज्ञात रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीती हैं।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा के विधायक दल की बैठक बुधवार को होगी। इसके बाद केन्द्रीय पर्यवेक्षक केशव प्रसाद मौर्य और सह पर्यवेक्षक अर्जुन मेघवाल और ज्योति निरंजना की मौजूदगी में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इन नेताओं को बिहार भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमैंट में जल्दी ही ''गुड न्यूज़'' मिल सकती है'

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इण्डो यूएस इकोनॉमिक समिट को संबोधित करते हुए दावा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवंबर। अमेरिका से लंबे समय तक एलपीजी खरीदने पर सहमति बनने के बाद, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अच्छी खबर सुना सकता है। उन्होंने सावधानी बरतते हुए कहा कि यह तभी होगा, जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित होगा।

सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी बाजार से एलपीजी खरीदने की भारत की सहमति के बाद शीघ्र ही व्यापार समझौते की संभावना बढ़ गई है, लेकिन अभी भी कई अड़चनें बनी हुई हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका के कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए घरेलू बाजार खोलने का भारी दबाव है।

गोयल ने जोर देकर कहा कि इस समझौते में किसानों और मछुआरों के हित सुरक्षित रखे जाएंगे। उन्होंने कहा, ''व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और भारत को, एक राष्ट्र के रूप में, किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के हितों की रक्षा करनी ही होगी।''

- इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत को अपने किसानों, मछुआरों के हितों की सुरक्षा करनी होगी, जैसे ही कोई संतुलित व निष्पक्ष समझौता होगा, उसे फाइनल कर दिया जाएगा।
- सूत्रों ने कहा कि अमेरिका से एलपीजी खरीदने की डील होने के बाद ट्रेड डील की संभावना बढ़ गई है। पर, अब भी इसमें कई किंतु-परन्तु हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका का भारी दबाव है, कृषि व डेयरी सैक्टर खोलने के लिए।
- भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों पर भी गोयल ने कहा कि परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक होती रहती है।

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इंडो-यूएस आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने विस्तार से बताया कि ''भारत को एक राष्ट्र के रूप में, अपने हितों की रक्षा करनी ही है, अपने सभी हितधारकों और कारोबारों के हितों की सुरक्षा करनी है और इसे किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के प्रति संवेदनशीलता के साथ संतुलित रखना है।''

उन्होंने कहा कि ''जब हमें सही संतुलन मिल जाएगा, तब निश्चित रूप से अच्छे नतीजे मिलेंगे। जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित हो जाएगा, तब आपको अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।''

भारत और अमेरिका मार्च से इस प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और अब तक छह दौर की चर्चा पूरी हो चुकी है।

गोयल ने भरोसा दिलाया कि भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर चिंता की कोई वजह नहीं है। गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के भारत के प्रति दबाव बनाने वाले तथा अपमानजनक रवैये को हल्का करने की कोशिश करते हुए कहा, ''परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल फलाह ग्रुप का मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। ईडी ने मंगलावर को अल फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएल), 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई अल फलाह से जुड़े परिसरों पर हाल ही में हुई सर्च कार्रवाई के दौरान मिले

- ईडी ने अल फलाह ग्रुप के मालिक जावेद सिद्दीकी को प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

सबूतों और विस्तृत जांच के आधार पर की गई है। यह मामला ईडी द्वारा दर्ज ईसीआईआर से जुड़ा है, जिसकी जांच इन दिनों जारी है।

ईडी ने अल फलाह ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई दो एफआईआर के आधार पर शुरू की थी, जो दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दर्ज की थीं। इन एफआईआर में आरोप है कि फरीदाबाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एआई का ''ओवर वैल्युएशन'' बाज़ार को गिरा सकता है'

गूगल के सीईओ सुदंर पिचाई ने चेतावनी दी

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। मशहूर भारतीय टैक विशेषज्ञ सुंदर पिचाई ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (ए.आई.) को लेकर फैली हुई उम्मीदों पर कुछ सच्ची और सावधान करने वाली बातें कही हैं। उनका कहना है कि छोटे ए.आई. स्टार्टअप्स के अत्यधिक उच्च मूल्यांकन में किसी भी तरह की गिरावट टैक्नॉलजी क्षेत्र में व्यापक गिरावट ला सकती है।

दुनिया भर के शेयर बाज़ारों ने ए.आई. कंपनियों को अत्यधिक ऊँची कीमत दी है, जबकि उनकी असली कामकाज की क्षमता उसके आसपास भी नहीं पहुँचती।

उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ''ओपन ए.आई.'' जो अपने ए.आई. चैटबॉट ''चैट जीपीटी'' की वजह से विश्वभर में मशहूर हुआ, आज निवेशकों द्वारा 1.4 ट्रिलियन डॉलर का आंका जा रहा है, जबकि उसके अपने कामकाज (ऑपरेशन्स) उस आंकड़े का एक हज़ारवाँ हिस्सा भी नहीं हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि यह स्टार्टअप आगे कैसे इस आसमान छूती वैल्यूएशन को सही ठहराएगा और निवेशकों की उम्मीदों पर कैसे खरा उतरेगा।

सुंदर पिचाई के अलावा वित्त जगत के एक बड़े नाम, अमेरिकी निवेश बैंक जेपी मॉर्गन के प्रमुख जैमी डिमन ने भी चेतावनी दी थी कि ए.आई. स्टार्टअप्स की वैल्यूएशन में किसी गिरावट से पूरा बाज़ार फिसल सकता है। डिमन ने कहा था कि ए.आई. बुलबुले के फटने का असर जल्दी ही व्यापक बाज़ार में दिखने लग सकता है।

सुंदर पिचाई ने यह बातें बीबीसी को गूगल मुख्यालय में दिए गए एक इंटरव्यू में कहीं। पिचाई ए.आई. के बड़े समर्थक हैं और मानते हैं कि यह नई सफलता प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नए लाभ ला सकती है, जो अर्थव्यवस्था में उच्च दक्षता में भी तब्दील हो सकती है।

- उन्होंने ओपन एआई के चैट बॉट चैट जीपीटी का उदाहरण दिया, जिसका मूल्य निवेशकों द्वारा 1.4 ट्रिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जबकि उसके कामकाज पर इस राशि का एक हजारवां हिस्सा भी खर्च नहीं होता। पिचाई ने सवाल उठाया, यह स्टार्ट अप निवेशकों की उम्मीदों पर कैसे खरा उतरेगा।
- अमेरिकन इन्वेस्टमैंट बैंक जे.पी. मॉर्गन के चीफ जैमी डिमन भी चेतावनी दे चुके हैं कि एआई स्टार्ट अप के ''ओवर वैल्युएशन'' से बाज़ार फिसल सकता है। उन्होंने कहा, एआई बुलबुले के फूटने का असर बड़े पैमाने पर बाज़ार में दिखेगा।

लेकिन कई विशेषज्ञों का मानना है कि ए.आई. जहाँ नई संभावनाएँ पैदा करेगा, वहीं यह बड़ी संख्या में नौकरियों को ख़त्म भी कर सकता है। इसलिए ज़रूरी होगा कि लोगों को अपने कौशल अपग्रेड करने होंगे ताकि वे ए.आई. तकनीक के साथ तालमेल बैठा सकें।

पिचाई की कंपनी गूगल और उसकी पैरेंट कंपनी एल्फाबैट ए.आई. में बहुत बड़ा निवेश कर चुकी हैं। गूगल को ए.आई. से फायदा भी मिला है और अब उसे ए.आई. दौड़ में पीछे नहीं माना जा सकता। लेकिन अगर इतनी भारी रकम लगाने के बाद ए.आई. अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है।

कुछ विशेषज्ञ शेयर बाज़ार के मूल्यांकन में ए.आई. सैगमैंट के बढ़ते मूल्य की तुलना 1990 के दशक के शुरु में ''डॉट कॉम बबल'' के फूटने की घटना से कर रहे हैं, जब इंटरनेट कंपनियों की ऊँची उम्मीदों के चलते उनका मूल्य तेजी से बढ़ा था, और इन कंपनियों का बाज़ार मूल्यांकन आसमान छूने लगा, लेकिन बाद में वही गिरकर बड़ी तबाही का कारण बना।

अमेरिकी फैडरल रिज़र्व के उस समय के चेयरमैन एलन ग्रीनस्पैन ने डॉटकॉम कम्पनियों के इर्द गिर्द शेयर बाज़ार में आई तेजी को ''अतार्किक उत्साह'' का उदाहरण बताया था, जब कंपनियों की कीमत में उछाल ज़मीन पर हो रही असल गतिविधियों से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। हल्के नियमन और अत्यधिक भरोसे ने बाजार को जरूरत से ज्यादा गर्म कर दिया था।

आख़िरकार इसका नतीजा भारी गिरावट के रूप में निकला, जिसे ''डॉट कॉम बर्स्ट'' कहा गया। छोटी टैक कंपनियों की गिरावट का असर पूरे बाजार पर पड़ा, और अर्थव्यवस्था को इस नुकसान से उबरने में कई साल लगे।

सुंदर पिचाई के इंटरव्यू में फिलहाल उन्होंने केवल तकनीकी क्षेत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी से मिले पुतिन के सहायक

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अगले महीने भारत यात्रा पर आने से पहले, उनके सहायक और रूसी समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पात्रुशेव ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र

- प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर मुलाकात का जिक्र किया और कहा कि वे पुतिन से मिलने को उत्सुक हैं जो अगले माह भारत आ रहे हैं।

मोदी से मुलाकात की।

इस भेंट के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा,'' राष्ट्रपति के सहयोगी और रूस के समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पात्रुशेव का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। हमने समुद्री क्षेत्र में सहयोग पर उपयोगी चर्चा की, जिसमें संपर्क, कौशल विकास, जहाज निर्माण और नीली अर्थव्यवस्था में सहयोग के नए अवसर शामिल थे।''

विचार बिन्दु

नम्रता सारे सद्गुणों का दृढ़ स्तम्भ है। –कन्फ्युशन

जयपुर शहर सवाया: क्या से क्या हो गया!

जयपुर शहर नहीं, महाराजा सवाई जयसिंह का सपना था जिसे विद्याधर ने ज़मीनी हक़ीकत में तब्दील किया। इस नगर का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। यह नगर कभी अपनी योजनाबद्ध बसावट, इमारतों के गुलाबी रंग, चौड़ी सड़कों, सुंदर हवेलियां और शालीन जीवनशैली के लिए पूरी दुनिया में मशहूर था। विदेशी पर्यटक इसे पिंक सिटी और भारतीय गर्व से भारत का पेरिस कहा करते थे। आज वही नगर गंदगी, अव्यवस्था, बेतरतीब कॉलोनियों और अनियंत्रित ट्रैफिक की भीड़ में कहीं खो गया है। जिस नगर की योजना 18वीं सदी में ऐसी वैज्ञानिक सोच के साथ बनाई गई थी कि जिसे यूरोप के शहरी नियोजक भी मिसाल मानते थे, आज वह अपने ही प्रशासकों, योजनाकारोंऔर बासिन्दों की लापरवाही, लालच और विफलता के कारण बेनूर हो रहा है। महाराजा सवाई जयसिंह ने 18 नवंबर 1727 को जब जयपुर की नींव रखी, तब इतिहास के झंझावात के काल में भी इस नगर को विज्ञान, कला और अनुशासन का संगम बनाने की कोशिश की थी। वास्तुशास्त्र और खगोलशास्त्र के सिद्धांतों पर बसाया गया यह नगर भारत का पहला नियोजित शहर था। चौड़ी सड़कों, समकोणीय गलियों, संगमरमर के आंगन वाले मंदिरों, व्यवस्थित मौहल्लों और बाजारों ने इस शहर को एक अद्भुत पहचान दी। कभी जयपुर का हर चौक, हर रास्ता और हर दरवाज़ा एक अर्थ रखता था। शहर का जीवन अनुशासित था, और नागरिकों में स्वच्छता और सभ्यता की एक लय थी। लेकिन आज यह लय टूटी हुई है – शहर का सौंदर्य, उसकी आत्मा और उसकी पहचान राजनीति और प्रशासनिक छल-कपट की आंधी में खो गई है। कोई 48 साल पहले जनता पार्टी सरकार ने जबरदस्त धूम-धाम के साथ जयपुर के स्थापना दिवस की द्विशती मनाई थी। तभी से प्रति वर्ष इस दिन उत्सव मनाने की परंपरा शुरू हुई जो अब भी जारी है। इन वर्षों में बहुत कुछ बदल गया और अब यह सालाना उत्सव भी रस्म अदायगी बन कर रह गया है। मगर नगर का स्थापना दिवस आता है तब इस नगर का इतिहास और वर्तमान एक साथ खड़े होकर सबसे सवाल करते हैं, मगर जवाब देने वाला कोई नहीं है।

जयपुर का निर्माण केवल इमारतों का नहीं, बल्कि एक सोच का परिणाम था। सवाई जयसिंह ने खगोलशास्त्रियों, वास्तुविदों और इंजीनियरों की सलाह लेकर एक ऐसी नगरी की कल्पना की थी, जहां हर सड़क, हर चौक और हर मोहल्ला एक गणितीय संतुलन का ही नहीं बल्कि सामाजिक समरसता का प्रतीक हो। नौ खंडों में विभाजित नगर का ढांचा ब्रह्मांड के नवग्रहों की तरह योजनाबद्ध था, मानो धरती पर आकाश का प्रतिबिंब उतारा गया हो। वह जयपुर, जहां सड़कें सीधी और चौड़ी थीं, जिस पर गाड़ियां खींचने वाले चलते पशुओं की लीद तुरंत हटा लेने के लिए कर्मचारी लगे रहते थे, जहां जल निकासी की विशाल अनोखी व्यवस्था थी, जहां भवनों की ऊँचाई, रंग और स्वरूप एकरूप थे, वह नगर आज अपनी बढ़ी हुई आबादी में घुट रहा है। समय-समय पर सरकार द्वारा किए गए लीपा-पोती के फेसलिफ्ट प्रोजेक्ट केवल ऊपरी चमक प्रदान करते हैं, लेकिन भीतर की सड़न जस की तस बनी रहती है। अवैध निर्माण ऐतिहासिक इमारतों को निगल रहे हैं, और वर्ल्ड हेरिटेज सिटी का तमगा अब एक बोझ जैसा प्रतीत होता है। हवामहल से बड़ी चौपड़ तक कहने को हेरिटेज ज़ोन बना दिया गया है जो जाम, तारों के जाल, अवैध ठेलों और बेढंगी होर्डिंग्स से पटा हुआ है। जयपुर आज 'स्मार्ट सिटी' कहलाने की दौड़ में तो शामिल है, पर वास्तविकता यह है कि शहर अनियंत्रित और बेतरतीब विस्तार का शिकार हो चुका है। जयपुर का फैलाव योजनाबद्ध नहीं, विस्फोटक रहा है। शहर के चारों ओर – जगतपुरा, वैशाली नगर, कालवाड़ रोड, अजमेर बाईपास, सांगानेर बाइपास – हर जगह कॉलोनियां पसर गई हैं, जिनमें न सड़कें ठीक हैं, न सीवरेज, न जल निकासी। यहां तक कि विशेष रूप से विकसित झालाना संस्थानिक क्षेत्र में भी सीवरेज की कोई व्यवस्था नहीं है। भू-माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत ने इस शहर की मूल आयोजना को ही नष्ट कर दिया है। अदालतों के आदेशों की अनदेखी करते हुए विधि सम्मत नगर-नियोजन को दरकिनार करने में शासन में बैठे राजनेताओं को कोई गुरेज नहीं रहा। जयपुर की जनसंख्या पिछले चार दशकों में पांच गुना बढ़ चुकी है, लेकिन उसकी बुनियादी सुविधाएं लगभग उसी स्तर पर अटकी हैं। जयपुर नगर निगम का हेरिटेज और ठोटर में विभाजन प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि भ्रमजाल का नया रूप बन गया। जयपुर विकास प्राधिकरण की भूमिका नगर नियोजन से अधिक सरकारी अमले का पेट भरने की रह गई है। मास्टर प्लान बने, पर लागू नहीं हुए। अवैध कॉलोनियां नियमित कर दी गईं, हरे क्षेत्र पक्के हो गए, और अतिक्रमण ने हर दिशा में शहर की सांसें रोक दीं। कोई 63 वर्ष पहले भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया को सलाह दी थी कि जयपुर को बड़ा शहर होने की बीमारी से बचाइये। यह सुन्दर शहर हमारी धरोहर है। मगर उस पर ध्यान नहीं दिया गया। पर्यावरणीय दृष्टि से स्थिति और भी भयावह है। अरावली की पहाड़ियां जम कर कटी हैं। खनन माफियाओं ने नगर के पास की पहाड़ियों को प्रशासन की नाक के नीचे बुरी तरह छीला है। नाहरगढ़ और गलता के जंगल विकास की भेंट चढ़ चुके हैं जहां अमीर लोग अपने आशियाने बना रहे हैं और मानसागर झील फिर से प्रदूषण की गिरफ्त में है।

> **जयपुर को फिर से भारत का पेरिस बनाना असंभव नहीं है, पर इसके लिए कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जिम्मेदारी दोनों सिरे से नदारद है। जन प्रतिनिधियों को तय करना होगा कि जयपुर को स्मार्ट दिखाना भर हैं या वास्तव में उसे जीवंत, सुंदर और व्यवस्थित बनाना हैं। कहते हैं आशा अमर धन। आशा बनी हुई है। जरूरत है एक स्पष्ट दृष्टि की - एक ऐसी दृष्टि जो स्वार्थ नहीं, स्थायित्व देखे। कठोर शहरी अनुशासन हो, अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर समझौता नहीं, सख्ती हो।**

जयपुर शहर अपनी विरासत से जितना दूर जा रहा है, उतना ही खोखला होता जा रहा है। पारंपरिक कारीगर और बुनकर धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। जयपुर की आत्मा – उसका धीमा, शालीन और कलात्मक चरित्र – अब शॉपिंग मॉल्स और बिल्डरों के शोर में खो गया है। किसे दोष दिया जाय? प्रशासन को दोष देना आसान है, पर अधूरा है। अव्यवस्था में नागरिकों की लापरवाही भी उतनी ही जिम्मेदार है। जयपुर की दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि यहां के नागरिक भी हैं उतने ही हैं जो चाहते हैं उनका काम कोई और करे। सड़कों पर फैला कचरा, प्लास्टिक की थैलियां, अवैध पार्किंग, फुटपाथों पर दुकानें – ये सब जनता की ही देन हैं। सड़कों पर कचरा फेंकना, यातायात नियम तोड़ना, अवैध निर्माण करवाना, और हर सरकारी योजना में अपने स्वार्थ ढूंढना आम बात हो गई है। जब जनता ही लापरवाह हो जाए, तो कोई भी शहर अपनी आत्मा कैसे बचा सकता है। यह विडंबना है कि जिस शहर को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज सिटी का दर्जा दिया, उसके स्थानीय लोग उसकी धरोहरों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। हवामहल, आमेर, जंतर-मंतर – ये सब अब सिर्फ टूरिस्ट स्पॉट रह गए हैं, भावनाओं का हिस्सा नहीं। लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता इस स्थिति को और भी भयावह बना देती है। योजनाएं बनती हैं, बजट पास होता है, उद्घाटन होते हैं, पर ज़मीन पर कुछ नहीं दिखाता। जवाबदेही शून्य है, और विकास केवल पोस्टर पर दिखता है। जयपुर का ट्रैफिक आज किसी बुरे सपने से कम नहीं। शहर के प्रमुख मार्ग – जेएलएन मार्ग, टोंक रोड, अजमेर रोड, सिरसी रोड – हर दिन जाम से जूझते हैं। प्रत्येक ट्राफिक सिग्नल से गुजरने में तीन-तीन बार तक ट्राफिक लाइट के बदलने को झेलना पड़ता है। फुटपाथ पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, और वाहनों की अनियंत्रित बढ़ोतरी ने शहर को एक बड़ा गैरेज बना दिया है। कॉलोनियों में सड़क के दोनों ओर घरों के बाहर चार पहिया वाहनों की पार्किंग के चलते बीच में इतनी ही जगह बचती है कि केवल एक गाड़ी निकाल सके। दिल्ली और मुंबई के बाद जयपुर का प्रदूषण स्तर तेजी से बढ़ रहा है। धूल, धुआं और शोर अब इस शहर के स्थायी साथी बन चुके हैं। जिस शहर की पहचान कभी स्वच्छ और हवादार के रूप में थी, वह अब साँस लेने लायक भी नहीं रह गया है। जयपुर की असली पहचान उसकी संस्कृति थी – संगीत, हस्तशिल्प, पारंपरिक वास्तुकला, और लोक जीवन। लेकिन आज यह संस्कृति इतिहास बन चुकी है। केवल कुलीनों के मनोरंजन के लिए आरआईसी, जेकेके या विलासिता वाले बड़े होटलों में बाज़ार की ताकतें भोंडे तरीके से इन्हें प्रस्तुत कर रही है।

जयपुर को फिर से भारत का पेरिस बनाना असंभव नहीं है, पर इसके लिए कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जिम्मेदारी दोनों सिरे से नदारद है। जन प्रतिनिधियों को तय करना होगा कि जयपुर को स्मार्ट दिखाना भर हैं या वास्तव में उसे जीवंत, सुंदर और व्यवस्थित बनाना हैं। कहते हैं आशा अमर धन। आशा बनी हुई है। जरूरत है एक स्पष्ट दृष्टि की – एक ऐसी दृष्टि जो स्वार्थ नहीं, स्थायित्व देखे। कठोर शहरी अनुशासन हो, अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर समझौता नहीं, सख्ती हो। विरासत संरक्षण को केवल रंगाई-पुताई तक सीमित न रहे, जल निकासी व्यवस्था को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया जाए। यातायात सुधार के लिए मेट्रो, बस, साइकिल और पैदल मार्गों का एकीकृत तंत्र विकसित करना होगा। कचरा प्रबंधन में जनता की भागीदारी हो। और सबसे ज़रूरी – नागरिक जागरूकता। जब तक जयपुर का हर निवासी अपने शहर को अपना परिवार नहीं मानेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती। इसलिए जयपुर का स्थापना दिवस उत्सव का नहीं, आत्ममंथन का अवसर होना चाहिए। जयपुर को फिर गुलाबी नगर के रूप में स्थापित करना है – रंग से नहीं, सोच से। यह तभी संभव है जब सरकार सजावटी प्रचार के बजाय सुधार पर ध्यान दे, और नागरिक शिकायत के बजाय सहभागिता को अपनाएं। सभी मन से यह करें तब यह शहर फिर से वह बन सकेगा, जिसकी दुनिया दीवानी थी।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

मौलिक कर्तव्यों में राष्ट्रीय गीत सम्मिलित करें

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

संविधान सभा में बहस के दौरान डॉ. अंबेडकर ने संवैधानिक नैतिकता के बारे में कहा था कि किसी भी देश के नागरिकों में संवैधानिक नैतिकता का समावेश होना आवश्यक है। वास्तव में, संवैधानिक नैतिकता मौलिक कर्तव्यों के सिद्धांत से कहीं अधिक है। मौलिक कर्तव्यों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में वर्णित किया जा सकता है। दूसरी और संवैधानिक नैतिकता संविधान में आस्था को समाहित करती है। संवैधानिक नैतिकता का एक अन्य पहलू विधि के शासन के प्रति सम्मान है। भारत में संसद और राज्य विधानमंडलों जैसे विधायिकाओं द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन करने में विधि के शासन के प्रति सम्मान परिलक्षित होता है।

इस पृष्ठभूमि में यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि भारत के नागरिक को राष्ट्रगान- जन गण मन गाने में गर्व महसूस होता है। भारत के संविधान के भाग -क में मौलिक कर्तव्यों की भावना को कायम रखते हुए, अनुच्छेद 51 ए (ए) में भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना बताया गया है।

भारत का नागरिक कानून का पालन करने वाली नागरिकता का अनुभव करता है क्योंकि राष्ट्रगान के गायन का सम्मान करने को राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत कानूनी संरक्षण प्राप्त है। धारा 3 में तीन साल तक की कैद या जुर्माना, या दोनों का प्रावधान है। दुबारा अपमान करते पाए जाने पर पर कम से कम एक साल की कैद का प्रावधान है। अपराध संज्ञेय होने के कारण, राष्ट्रगान के अपमान के लिए प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है।

लेकिन जब बात राष्ट्रगीत – वंदे मातरम के गायन की आती है तो भारत के नागरिकों के एक वर्ग को, आजादी के सात दशक बाद भी, राष्ट्रगीत गाने के लिए पर्याप्त साहस जुटाना पड़ता है। वह राष्ट्रगीत के गायन पर संवैधानिक नैतिकता की मुहर लगाने में विफल रहता है। आज भारत के विद्यमान कानून के अनुसार, राष्ट्रगीत को राष्ट्रगान के बराबर स्थान और सम्मान न तो भारत के संविधान में मौलिक कर्तव्यों के रूप में और न ही केंद्रीय अधिनियम 1971 में दिया गया है। अधिनियम 1971 का शीर्षक स्वयं स्पष्ट है। यह बताता है कि यह राष्ट्रीय सम्मान की संस्थाओं के सम्मान को बनाए रखने का इरादा रखता है। यह अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रगान का उल्लेख करता है, लेकिन अधिनियम में राष्ट्रगीत का उल्लेख करने में विफल रहता है। भारत के कानूनों में ऐसी व्यवस्था संविधान सभा के प्रस्ताव के विरुद्ध है। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्रप्रसाद ने निम्नलिखित वक्तव्य दिया, जिसे राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत पर अंतिम निर्णय के रूप में भी अपनाया गया:– ...शब्दों और संगीत से बनी रचना जिसे जन गण के नाम से जाना जाता है भारत का राष्ट्रगान जनगनमन है, जिसमें आवश्यकतानुसार सरकार द्वारा परिवर्तन किया जा सकता है, तथा वन्दे मातरम् गीत भी भारत का राष्ट्रगान है। मातरम, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, को जन गण के समान सम्मान दिया जाएगा। मन और उसके साथ समान दर्जा होगा।अत: 1976 में बयालीसवें संशोधन से भारतीय संविधान में शामिल किए गए मौलिक कर्तव्य, अनुच्छेद 51क (क) में राष्ट्रगीत के बिना अधूरे हैं। अब समय आ गया है कि संविधान संशोधन के माध्यम से मौलिक कर्तव्यों में राष्ट्रगीत को शामिल किया जाए। साथ ही, 1971 के अधिनियम में कुछ संशोधन करके राष्ट्रगीत के सम्मान को बनाए रखने के लिए वैधानिक संरक्षण भी प्रदान किया जाए। राष्ट्रगीत के गायन के बारे में सही धारणा बनाने की सख़्त ज़रूरत है। ऐसे उपाय हमारे राष्ट्रीय गीत – वंदे मातरम – की वैधता, संवैधानिकता और कानूनी स्वीकारिता पर मुहर लगाएँगे।

मौलिक कर्तव्यों और अधिनियम 1971 में राष्ट्रगीत को शामिल करने से देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलेगा। यह वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ मनाने के तरीकों में से एक हो सकता है। यह पूरे देश में, वर्तमान पीढ़ी में, विशेषकर युवाओं में, राष्ट्रवाद का संदेश देगा। यह भारत के सभी राजनीतिक दलों के लिए एक कसौटी का काम करेगा कि राष्ट्रगीत के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल क्षुद्र राजनीति से ऊपर हैं। राष्ट्रगीत को राष्ट्रगान के समान उचित स्थान और सम्मान मिलना चाहिए, जैसा कि संविधान सभा ने तय किया था। यह भारत के राष्ट्रीय गीत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जो बलिदान, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष, भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय

ओलिगार्क: वैश्विक सत्ता पर धनी उद्यमियों के नियंत्रण की छाया

सुरेंद्रसिंह शेखावत

समकालीन विश्व के पूंजीवादी अर्थतंत्र ने पूंजी का केंद्रीयकरण तेज कर दिया है । पूंजीवादी व्यवस्था में पूंजी एक पिरामिड की तरह कुछेक हाथों में सिमटती जाती है। ऑक्सफैम की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक एलॉन मस्क, जैफ बेजॉस, मार्क जुकरबर्ग, जेनसन हुआंग और बर्नार्ड आर्नोल्ट अगले दशक में ये पांच नए ट्रिलियनेयर बन सकते हैं । जिसमें धन की ताकत इन्हें सरकारों से ऊपर कर देगी । इन पर नियंत्रण मुश्किल होगा । इन धनिक लोगों की संभावित ताकत और महत्वकांक्षा ने वैश्विक विमर्श को झकझोर दिया है। यह चेतावनी कोई साधारण आर्थिक पूर्वानुमान नहीं; यह उस भविष्य की झलक है जहाँ अकूत धन कुछ व्यक्तियों को राष्ट्र-राज्यों से ऊपर उठा देगा। विशेष रूप से एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और उसकी सहयोगी स्टारलिंक पर निर्भरता इस खतरे का जीवंत उदाहरण बन रही है। हम एक ऐसे युग की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ अंतरिक्ष-आधारित संचार और अर्थव्यवस्था कुछ मुट्ठी भर उद्यिमयों के हाथों में सिमट जाएगी ।

धन की असमानता और ट्रिलियनेयर युग की दहलीज

विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्टें बताती हैं कि अगले दशक में पाँच व्यक्ति ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति पार कर सकते हैं। मस्क की संपत्ति मुख्यत: स्पेसएक्स, टेस्ला और स्टारलिंक से आती है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, 2024 में मस्क की नेटवर्थ 400 बिलियन डॉलर के पार पहुँच चुकी है। यह धन केवल व्यक्तिगत समृद्धि नहीं; यह वैश्विक बुनियादी ढाँचे पर नियंत्रण का साधन बन रहा है।

स्टारलिंक-स्पेसएक्स का उपग्रह इंटरनेट नेटवर्क-वर्तमान में 6750 से अधिक उपग्रहों के साथ पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। वर्ष 2022 से व्यावसायिक सेवाएँ शुरू होने के बाद यह यूक्रेन युद्ध, प्राकृतिक आपदाओं और दूरस्थ क्षेत्रों में संचार का बैकबोन बन चुका है। लेकिन यही निर्भरता खतरे की जड़ है। यदि मस्क कल निर्णय लें कि किसी देश को सेवा बंद करनी है, तो उसके नतीजे कितने खतरनाक होंगे? यूक्रेन में रूसी आक्रमण के दौरान स्टारलिंक ने जीवनरेखा प्रदान की, किंतु मस्क ने स्वयं ट्वीट कर कहा था कि वे लागत वहन नहीं कर सकते। अंतत: अमेरिकी सरकार ने हस्तक्षेप किया। यह घटना दर्शाती है कि निजी हाथों में सार्वजनिक उपयोगिता का नियंत्रण कितना जोखिमपूर्ण है।

अंतरिक्ष में निजी एकाधिकार: लोकतंत्र पर खतरा

अंतरिक्ष संधि 1967 के तहत कोई देश अंतरिक्ष पर संप्रभुता स्थापित नहीं कर सकता, किंतु निजी कंपनियाँ उपग्रह प्रक्षेपण, डेटा संग्रह और संचार में वर्चस्व स्थापित कर रही हैं। स्पेसएक्स ने 2024 तक 44 फीसदी वैश्विक उपग्रह प्रक्षेपण किए। फाल्कन-9 रॉकेट की पुनर्प्रयोगिता ने लागत को 90 फीसदी तक कम कर दिया, जिससे प्रतिस्पर्धा लगभग असंभव हो गई। चीन की केसिक और यूरोपीय एरियनस्पेस भी पीछे छूट रहे हैं।

यह एकाधिकार केवल तकनीकी नहीं है, यह भू-राजनीतिक भी है। स्टारलिंक की 250 मिलियन डॉलर की मासिक लागत मस्क को सरकारी अनुबंधों पर निर्भर बनाती है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का स्टारशील्ड प्रोजेक्ट स्पेसएक्स को सैन्य उपग्रह सेवाएँ प्रदान करने का ठेका देता है। क्या यह निजी कंपनी अब अमेरिकी विदेश नीति का विस्तार बन गई है? यदि मस्क और अमेरिकी सरकार में मतभेद हुआ तो वैश्विक संचार पर क्या प्रभाव पड़ेगा, यह गंभीर विषय है ।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह खतरा दोगुना है। हमारी डिजिटल इंडिया पहल इंटरनेट कनेक्टिविटी पर निर्भर है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्टारलिंक एकमात्र विकल्प बन सकता है, किंतु इसके लिए ट्राई और डिपार्टमेंट ऑफ टेक्नोलोजी को मस्क की शर्तें माननी पड़ेंगी। इस तरह हम अपनी संप्रभुता को निजी उपग्रह नक्षत्र के हाथों सौंप रहे हैं।

नियंत्रण की चुनौतियाँ: कानूनी शून्यता

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रिलियनेयर्स पर नियंत्रण असंभव नहीं, किंतु वर्तमान ढाँचे अपर्याप्त हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) उपग्रह कक्षाओं का आवंटन करता है, किंतु निजी कंपनियों की गतिविधियों पर उसका सीमित नियंत्रण है। अमेरिका का एफसीसी स्टारलिंक को लाइसेंस देता है, किंतु मस्क की कंपनियाँ टैक्स सेविंग हैवन डेलावेयर में पंजीकृत हैं ।

यूरोपीय संघ जीडीपीआर जैसे डेटा कानून लागू करना चाहता है, किंतु स्टारलिंक उपग्रह पृथ्वी से 550 किमी ऊपर, किसी देश की सीमा में नहीं है। यदि मस्क डेटा साझा करने से इंकार करें, तो उन पर नियंत्रण का कोई प्रभावी कानून नहीं है। 2023 में ब्राजील सरकार ने स्टारलिंक को अवैध खनन क्षेत्रों में सेवा बंद करने को कहा तो मस्क ने चुनौती दी। यह घटना दर्शाती है कि धन की ताकत कितनी आसानी से कानून को चुनौती दे सकती है।

नैतिक और सामाजिक आयाम

धन की यह सांद्रता सामाजिक असमानता को बढ़ाती है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट कहती है कि विश्व की एक फीसदी से भी कम आबादी 45 फीसदी संपत्ति रखती है। अंतरिक्ष में यह असमानता और गहरी होगी। स्टारलिंक की सेवा बहुत महँगी है, गरीब देश इसे वहन नहीं कर पाएँगे, जिससे डिजिटल डिवाइड बढ़ेगा।

साथ ही, पर्यावरणीय खतरे हैं। 6 हजार से ज्यादा उपग्रहों से अंतरिक्ष कक्षा में कचरा बढ़ रहा है। केस्लर सिंड्रोम जिसमें टकराव से उपग्रह श्रृंखला नष्ट होने की भी आशंका है। मस्क की मेगा-कॉन्स्टेलेशन योजना 42 हजार उपग्रहों की है। क्या यह पृथ्वी के लिए संभावित गम्भीर खतरा नहीं है?

वैश्विक शासन का पुनर्परिभाषण

इस चुनौती का समाधान केवल राष्ट्रीय नहीं; वैश्विक है। संयुक्त राष्ट्र को अंतरिक्ष शासन के लिए नया ढाँचा बनाना होगा। ट्रिलिनियर्स पर वार्षिक संपत्ति कर लगाकर अंतरिक्ष सफाई और विकासशील देशों के लिए ब्रॉडबैंड जैसे खर्च किए जा सकते है । इंटरनेशनल टेलिकम्युनिकेशन यूनियन, फैडरल कम्युनिकेशन कमीशन, यूरोपियन स्पेस एजेंसी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन जैसे निकायों का संयुक्त प्राधिकरण मिलकर नियामक आयोग बनाए, जो उपग्रह लाइसेंस रद्द कर सके। सभी उपग्रह डेटा को स्थानीय सर्वरों पर संग्रहीत करना अनिवार्य हो तथा वैकल्पिक नेटवर्क के रूप में भारत-वन वेब, चीन-जेडब्लू, यूरोपियन यूनियन का आइरिश जैसे प्रोजेक्ट को तेज करना होगा ।

भारत के लिए यह अवसर है। हमारी पीएसएलवी और जीएसएलवी क्षमता बढ़ाकर, न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के माध्यम से स्वतंत्र उपग्रह नक्षत्र विकसित कर सकते हैं। गगनयान और चंद्रयान की सफलता दर्शाती है कि हम सक्षम हैं।

निष्कर्ष: संतुलन की अनिवार्यता

एलन मस्क जैसे उद्यमी नवप्रवर्तन के प्रतीक हैं। स्टारलिंक ने लाखों लोगों को इंटरनेट दिया, स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रा को सस्ता किया। किंतु असीमित शक्ति लोकतंत्र के लिए खतरा है। रोमन इतिहास में सीज़र की तानाशाही धन और सैन्य शक्ति से उपजी थी; क्या हम इक्कीसवीं सदी में अंतरिक्ष-सीज़र देख रहे हैं?

समय की माँग है कि हम निर्भरता को विविधता में बदलें, निजी नवाचार को सार्वजनिक जवाबदेही के साथ जोड़ें। यदि हम असफल रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का आकाश कुछ लोगों की निजी संपत्ति बन जाएगा। यह केवल तकनीकी नहीं; यह सभ्यता का प्रश्न है। यह समकालीन विश्व को तय करना है कि हम अंतरिक्ष को मानवता की साझा विरासत बनाए ना कि कुछ ट्रिलियनेयर्स का निजी खेल मैदान।

–सुरेंद्रसिंह शेखावत, बीकानेर
(लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

श्रीगंगानगर से वंदे भारत व अन्य हाई स्पीड ट्रेनों का जल्द होगा संचालन

रेलवे बोर्ड को नए प्लेटफॉर्म यार्ड का प्रस्ताव भेजा, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

- **कब्जाधारियों को जमीन खाली करने के लिए नोटिस जारी, बीकानेर मंडल के अधिकारी कई बार मौका मुआयना कर चुके हैं, सूत्रों के अनुसार 2026 तक वंदे भारत ट्रेन श्रीगंगानगर से चल सकती है**

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस और अन्य हाई स्पीड ट्रेनें चलाने का काम जल्द ही शुरू होगा। रेलवे ने इसके लिए सर्वे शुरू कर दिया है। जल्दी की ट्रेनें शुरु हो सकती है।

जयपुर रेलवे स्टेशन की तर्ज पर श्रीगंगानगर में अलग से नया प्लेटफॉर्म यार्ड बनाने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है। बोर्ड से मंजूरी मिलने की पूरी संभावना है, जिसके बाद काम शुरू हो जाएगा। श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर मौजूदा सिक लाइन वाले इलाके में 4 नए प्लेटफॉर्म के साथ पूरा यार्ड विकसित किया जाएगा। हाई स्पीड ट्रेनों की मेंटेनेंस के लिए 2 नई वॉशिंग लाइनें बनेंगी। इसके लिए कम से कम 72 फीट चौड़ी जमीन चाहिए, जबकि अभी करणी मार्ग के साथ सिर्फ 60 फीट जगह उपलब्ध है।

रेलवे ने अतिरिक्त 12 फीट जमीन खाली कराने के लिए करणी मार्ग के किनारे बने अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। कब्जाधारियों को जमीन खाली करने के लिए नोटिस भी दिए गए हैं। वहीं, बीकानेर मंडल के अधिकारी कई बार मौका मुआयना कर चुके हैं। बीएसएफ कैंपस की तरफ प्रस्तावित सेकंड एंट्री को स्थगित कर दिया गया है। नया यार्ड बनने के बाद ही नए सिरे से सेकंड एंट्री की लोकेशन तय होगी।

पूर्व जेडआरयुसीसी सदस्य भीम शर्मा ने बताया कि रेलवे बोर्ड को श्रीगंगानगर में अतिरिक्त रेलवे यार्ड बनाने का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। प्रस्ताव पास होते ही श्रीगंगानगर की रेल कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी। ये शहरवासियों के लिए सबसे बड़ी सौगात होगी। वहीं, सूत्रों के अनुसार 2026 तक वंदे भारत की सिटी श्रीगंगानगर में बज सकती है।

दिन-रात के तापमान में 18 डिग्री का अंतर

श्रीगंगानगर, (निसं)। नवंबर के महीने में बार-बार मौसम बदल रहा है। दिन में तेज धूप तो रात में ठंड होती है। जिले में मंगलवार को बादलों की आंख मिचौली का खेल जारी है। कभी बादल छा जाते हैं, तो कभी आसमान साफ हो जाता है। जिले में पिछले 3 हफ्तों से दिन का पारा 29 से 31 डिग्री के बीच बना हुआ है। मंगलवार सुबह कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर न्यूनतम तापमान 11 डिग्री और अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। सोमवार को भी न्यूनतम तापमान ठीक 11 डिग्री ही रहा था, जबकि दिन का पारा 31 डिग्री तक चढ़ गया। रविवार को तो दिन में 30.5 डिग्री गर्मी के बाद रात 10.7 डिग्री तक लुढ़क गया। मतलब दिन में पसीना और रात में कंबल ओढ़ने की नौबत आ रही है। किसानों के अनुसार दिन में तेज धूप के कारण फसलों को नुकसान हो रहा है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 19 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र प्रात: 7:59 तक, सौभाग्य योग प्रात: 9:00 तक, शकुनि करण प्रात: 9:44 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:14 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज पितृकार्य अमावस्या, श्री बाला जयन्ती, इन्दिरा गांधी जयन्ती, एकता दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:33 तक, शुभ 10:52 से 12:12 तक, चर 2:52 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:53, सूर्यास्त 5:31 तक।

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों-परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा, कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

संक्षिप्त

शिक्षण सामग्री वितरित

अजमेर। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा शैक्षिक प्रायोजन कार्यक्रम के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरना में अध्ययनरत लगभग 25 जरूरतमंद बालिकाओं को बैग और स्टेशनरी वितरित की गई। संस्थान के कोऑर्डिनेटर सरोज सांखला ने जानकारी दी कि इस अभियान के तहत संस्था द्वारा हर वर्ष जरूरतमंद छात्राओं को पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है, जिससे कारण उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में सहयोग मिल सकेगा।

सुर संगम में कलाकारों ने बांधा समां

अजमेर। शहर का सुर संगम संगीत समूह के तत्वाधान में अजमेर के एक होटल में गानों का सफलतापूर्वक कार्यक्रम एडमिन दयाल प्रियानी के सानिध्य में आयोजित किया गया। प्रकाश जेठरा ने बताया कि कार्यक्रम में कलाकारों की बेहतरीन 1990 के दशक के पुराने गानों की प्रस्तुतियो ने समा बांध लिया और झूमने व नाचने लगे। इस अवसर पर जे सी सिन्हा, धर्मेंद्र केवलानी, प्रकाश झमटानी, दयाल प्रियानी, प्रकाश जेठरा, गुलाब खत्री, लक्ष्मण चेनानी, मंजू चेनानी, अरविंद मिश्रा, पी एल खेतावत, कुमकुम जैन, किरण पंजवानी, आजाद अपूर्वा राजेंद्र चौहान महादेव कर्मवानी, प्रदीप गौड़, शंकरलाल धनवानी, नरेश विष्णु, हरीश मसंद, सुनील मनवाणी किशन लालवानी, विजय सोनी आदि कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर मंत्र मुग्ध कर दिया।

बैठक बुधवार को

अजमेर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 27 अक्टूबर को राजस्थान राज्य के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम घोषित किया है। इस संबंध में जन प्रतिनिधियों, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं बीएलए प्रथम के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योति ककवानी ने दी।

45 साल से भाजपा में सक्रिय शम्भू शर्मा ने भाजपा को जमकर कोसा

■ आरएलपी प्रदेश सचिव की मौजूदगी में प्रेस से रूबरू

मदनगंज-किशनगढ़। भाजपा वरिष्ठ नेता शम्भू शर्मा ने अपनी उपेक्षा से आहत होकर आरएलपी का दामन थामते ही भाजपा को जमकर कोसा। प्रदेश सचिव रामस्वरूप चौधरी की मौजूदगी में प्रेस से रूबरू होते हुए शर्मा ने कहा पिछले 45 साल पहले जनसंघ से जुड़कर भाजपा में सक्रिय रहा, किंतु कुछ समय से आंतरिक गुटबाजी के चलते मेरे जैसे समर्पित कार्यकर्ता की उपेक्षा की जा रही है, आमजन से जुड़ी समस्याओं के समाधान कराने के लिये जब कभी आवाज उठाई जाती है तो सार्वजनिक स्थानों पर जलील कर जिम्मेदार लोग केवल आश्वासन के जरिये टरकाने में तत्पर रहते है। भाजपा में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन रह चुके शर्मा ने कहा निरंतर पार्टी की सेवा करने के बावजूद उन्हें दरकिनार कर किया गया, भाजपा में कुछ चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि जमीनी कार्यकर्ताओं की आवाज को कोई सुनने वाला कोई नहीं है। भाजपा में उनकी भूमिका केवल औपचारिकता मात्र बनकर रह गई थी, इसलिये दुखी होकर आरएलपी में शामिल होने का निर्णय लिया। पार्टी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में उन्हें वास्तविक राजनीतिक मंच मिलने के साथ सम्मान और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाने का मौका मिलेगा। प्रदेश सचिव रामस्वरूप चौधरी ने शम्भू शर्मा के आरएलपी में शामिल होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा की वरिष्ठ नेता शर्मा के आरएलपी परिवार में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी, आगामी नगर परिषद चुनाव में सभी 60 वार्डों में उम्मीदवार उतारे जायेंगे।प्रदेश मंत्री रामस्वरूप चौधरी ने इनका माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया। इस दौरान कुचिल सरपंच शाहिद खान, श्रीगोपाल माहेश्वरी, कुसुम कोठारी, हरि संगारिया, राजेंद्र शर्मा, शिवप्रताप, जयकिशन चेची, सुनील, ऋषभ कुमावत, आबिद खान कादर खान, हनुमान, करतार सहित बड़ी संख्या में आरएलपी सदस्य मौजूद रहे।

सम्मान निधि योजना का कार्यक्रम आज

अजमेर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किश्त की राशि के हस्तानांतरित करने का जिला स्तरीय कार्यक्रम राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी में बुधवार 19 नवम्बर को दोपहर एक बजे होगा। इसका राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम कोयम्बटूर तमिलनाडु में आयोजित किया जाएगा। अजमेर के जिला स्तर पर कार्यक्रम में इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसी तरह ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में 21वीं किश्त के रूप में हस्तानांतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर वन्दना खोरवाल को नोडल अधिकारी एवं राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज एवं सहकारी समितियों के उप रजिस्ट्रार राजीव कजोत को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

घूमर फेस्टिवल आज

अजमेर। घूमर फेस्टिवल का आयोजन बुधवार दोपहर 3 बजे से सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित होगा। राजस्थान की लोक संस्कृति का पर्याय घूमर नृत्य राजस्थान का गौरव एवं राज्य नृत्य है। घूमर नृत्य की लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग द्वारा राज्य स्तर पर घूमर फेस्टिवल का आयोजन बुधवार को आयोजित किया जाएगा। अजमेर संभागीय मुख्यालय पर जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में घूमर फेस्टिवल का आयोजन बुधवार दोपहर 3 बजे से सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के खेल मैदान में किया जाएगा। घूमर फेस्टिवल में 12 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं एवं महिला प्रतिभागियों के लगभग 35 समूहों एवं 100 एकल प्रतिभागिताएं होंगी। महोत्सव की व्यवस्थाओं के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर वन्दना खोरवाल को नोडल अधिकारी एवं पर्यटन विभाग के उप निदेशक कृष्ण कुमार को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में वार्षिक खेल महोत्सव तक्ष 2025 जारी

■ छात्राओं के बीच रोमांचक मुकाबले

अजमेर, (कासं)। राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव तक्ष 2025 के दूसरे दिन एथलेटिक्स, फील्ड इवेंट्स और इंडोर गेम्स में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए। पूरे दिन छात्राओं में उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना देखने को मिली। प्राचार्य डॉ. प्रकृति त्रिवेदी, खेलकूद प्रभारी डॉ. विजय शर्मा एवं सह-प्रभारी पवन इनाणिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फील्ड इवेंट्स में प्रतिभागियों ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। शॉटपुट में रेनू जोधा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में हिरल विजेता और रेनू जोधा उपविजेता बनीं। हाई जंप में कुमकुम प्रथम तथा प्रीति द्वितीय स्थान पर रहीं। लॉन्ग जंप में भावना ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि खुशबू दूसरे स्थान पर रहीं। ट्रिपल जंप में शिवांगी ने स्वर्ण तथा प्रीति असवर ने रजत पदक जीता। स्प्रिंट और मिड-डिस्टेंस दौड़ में भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/राजकाज 18818134 दिनांक :- 16/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 42/2025-26
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राशि रु. 346.23 लाख की ई-निविदा दिनांक 24.11.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- AJD2526WSOB00179 - 00183
अधिशाषी अभियन्ता, अजमेर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/25/14072

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान
क्रमांक-न.पा.वि./निमार्ण स्वी./2025/4683 आम सूचना दिनांक: 17-11-25
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपति मान्य नहीं होगी।
भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
146	महावीर प्रसाद माली पुत्र मिश्रीलाल माली	आबादी क्षेत्र भील बस्ती	82.12 SQ.MTR	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

शाखा में गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन समारोह सम्पन्न

■ कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. मधुर मोहन रांगा ने 'विकसित भारत का संकल्प' विषय पर संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को विद्या, शिक्षण, कौशल, व्यावसायिक शिक्षा एवं विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया

अजमेर। भारत विकास परिषद महाराणा प्रताप शाखा द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुभाष स्कूल, गंज अजमेर में गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाखा सचिव दीपक चोपड़ा ने बताया कि परिषद द्वारा अब तक दस विद्यालयों में इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा चुका है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. मधुर मोहन रांगा ने 'विकसित भारत का संकल्प' विषय पर संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को विद्या, शिक्षण, कौशल, व्यावसायिक शिक्षा एवं विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताते हुए कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण की आधारशिला रखते है। विशिष्ट अतिथि सतीश बंसल, जिला उपाध्यक्ष भाजपा, ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे प्रतिदिन प्रातःकाल माता-पिता का आशीर्वाद लेकर दिन की शुरुआत करें। उनके अनुसार माता-पिता का आशीर्वाद जीवन में सफलता प्राप्त करने का सबसे बड़ा संबल है।

विशिष्ट अतिथि चंद्रशेखर शर्मा, अति जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक), ने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं नियमित अध्ययन के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यनिष्ठा ही व्यक्तित्व निर्माण की कुंजी हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद अध्यक्ष महेंद्र कुमार रांका ने की। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य निर्माण की शपथ दिलाई।

समारोह के दौरान 27 प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को माल्यार्पण व उपरणा पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही अतिथियों, शिक्षकगणों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ तुलसी पौधे वितरित किए गए।

विद्यालय की प्रधानाचार्य रुचिका अग्रावत ने तुलसी पौधे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में परिषद के सदस्य विनोद डीडवानीया, नीरज कोठारी, सुरेश राठी, ओमप्रकाश देवानी, के.के. अग्रवाल, गिरीश गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

निःशुल्क नेल आर्ट व स्किन कंसल्टेशन सेशन का आयोजन

ब्यावर (निसं) वर्द्धमान इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड मेकअप आर्टिस्ट द्वारा वर्द्धमान कॉलेज परिसर में नेल आर्ट, स्किन कंसल्टेशन, तथा स्किन टोन के अनुसार उपयुक्त फैब्रिक चुनने की कंसल्टेशन जैसी सुविधाएँ निःशुल्क रूप से प्रदान की गयीइस अवसर पर वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने विभाग द्वारा किए जा रहे इन आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि इन कार्यक्रमों के द्वारा महिलाओं में आत्मविश्वास और उत्साह का संचार होता है जिससे वो अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ने का प्रयास करती है। महाविद्यालय अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने महिलाओं के लिए श्रृंगार की उपयोगिता व इसके द्वारा आय अर्जन के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बतायाकार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया और इन सेवाओं का भरपूर लाभ उठाया। कार्यक्रम में सहभागी हुई महिलाओं ने बताया कि इस तरह की पहल न केवल सौंदर्य संबंधी जागरूकता बढ़ाती है।

ब्यावर में जागरण का स्वर

ब्यावर (निसं) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिला स्तरीय शपथ कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने मिलकर नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने अपने संबोधन में कहा कि नशा युवाओं के भविष्य, परिवारों की खुशहाली और समाज की प्रगति का सबसे बड़ा अवरोधक है।

उन्होंने युवाओं से विशेष आव्हान किया कि वे नशे से दूर रहें, अपने साथियों को भी जागरूक करें और नशा मुक्त अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने में सहयोग करें।जिला कलेक्टर ने बताया कि पुलिस प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य एजेंसियों द्वारा जिले में निरंतर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक युवाओं और परिवारों को नशे के दुष्परिणामों से बचाया जा सके।

कार्यालय नगर निगम,अजमेर
क्रमांक: योजना/2025-26/ सार्वजनिक सूचना दिनांक:
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सोनिया शर्मा पत्नि श्री विशाल शर्मा निवासी ई-162, शास्त्रीनगर, अजमेर के द्वारा नगर निगम की शास्त्रीनगर योजना के आवासीय भूखण्ड सं. ई-162 क्षेत्रफल 500 वर्गगज का नामान्तरण करवाये जाने बाबत दस्तावेज सलंग्न कर आवेदन सं. LSG/AJMER/MUT/2025-26/159840 दिनांक 7.11.2025 को नामान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार उक्त भूखण्ड मूल आवंटी श्री एन.डी. शर्मा पुत्र श्री जे.डी. शर्मा के नाम से दर्ज है। श्री एन. डी. शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 6.6.1998 को हो चुका है। श्री एन.डी. शर्मा की मृत्यु के पश्चात श्री सचिन दत्त शर्मा पुत्र श्री एन.डी. शर्मा एकमात्र वारिसान होने के कारण सम्पति के विधिक वारिस है। श्री देवेन्द्र कच्छावाह वहैसियत अपर जिला न्यायाधीश द्वारा श्री सचिन दत शर्मा जरिये निष्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 2.4.2003 के द्वारा श्री सुन्दर लाल शर्मा पुत्र श्री गणेशी लाल शर्मा के नाम से निष्पादित की गई है। श्री सुन्दर लाल शर्मा जरिये पंजीकृत वसीयत दिनांक 16.1.2013 के द्वारा श्रीमती सोनिया शर्मा पत्नी श्री विशाल शर्मा को वसीयत निष्पादित की गई। श्री सुन्दर लाल शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 29.10.2019 को हो चुका है। उक्त प्रकरण का निष्पादन राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 116 के तहत आवेदित है जिसका निष्पादन धारा 118 के तहत प्रक्रियाधीन किया गया है। इस संबंध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आपति प्रकाशन से 07 कार्य दिवस के लिए आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेजों को अजमेर नगर निगम कार्यालय की योजना शाखा में देखने/पढ़ने के लिए खुला रखा गया है इस अवधि में किसी भी हितबद्ध व्यक्ति/आम खास को कोई आपति उज्र हो तो सूचना के प्रकाशन से 07 कार्य दिवस में मय पुख्ता दस्तावेजों के साथ अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है बाद मियाद नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा। - कीर्ति कुमावत, उपायुक्त, नगर निगम,अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत लाम्बा, पंचायत समिति हुरड़ा, जिला-भीलवाड़ा
क्रमांक: ग्रा.पं.ला./नि/04 दिनांक:17.11.25
ई-निविदा सूचना-2025-26
ग्राम पंचायत लाम्बा,पंचायत समिति हुरड़ा की ओर से विभिन्न कार्यों हेतु पंचायत की एसएफसी के उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकीय एवं मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित विकास कार्यों की मोहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी सभी शर्तें कार्यालय समय में ग्राम पंचायत लाम्बा में देखी जा सकती है।
NIB No - ZAJ2526A1147 UBN No- ZAJ2526WSRC02287
प्रशासक, ग्राम पंचायत लाम्बा, पं.स. हुरड़ा, भीलवाड़ा
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत लाम्बा, पं.स. हुरड़ा, भीलवाड़ा

अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर
लोक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आनंद रावल पुत्र श्री सुखदेव रावल निवासी-1066/52, नई बस्ती, जेलर वाली गली, लोहाखान, अजमेर (राज.) राजस्व ग्राम लोहागल के खसरा संख्या 1301 प्लॉट नं. 15 व 16 का उत्तरी भाग (10x49) क्षेत्रफल 132.33 वर्गमीटर के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जाएगी। - उपायुक्त(उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर
लोक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दीपक रील पुत्र श्री राधाकिशन रील निवासी-श्मशान रोड, भोपों का बाड़ा, अजमेर (राज.) राजस्व ग्राम लोहागल के खसरा संख्या 1301 प्लॉट नं. 17 व 16 का दक्षिणी भाग (10x49) क्षेत्रफल 125.02 वर्गमीटर के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जाएगी।
- उपायुक्त(उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर
लोक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धर्मेन्द्र सिंह आमेरा पुत्र भवानी सिंह आमेरा, राजस्व ग्राम चौरसियावास के खसरा संख्या 1494 प्लाट नं. क्षेत्रफल 185.00 वर्गगज के भूखंड का पट्टा दिनांक 23.11.2009 पट्टा क्रमांक 1041 जारी है व पत्रावली सं. एफ-1322 की मूल पत्रावली अजमेर विकास प्राधिकरण कार्यालय में खो गई है जिसकी रिपोर्ट ONLINE LR NO- 2938150/2025 से दर्ज है। किसी भी व्यक्ति को उक्त पत्रावली मिले तो उसे अजमेर विकास प्राधिकरण में कार्यालय समय में उपस्थित होकर जमा करावे।
- उपायुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

आम सूचना
मेरी पुत्री मनीषा पुत्री भोलू जाति जाट निवासी ग्राम आकोड़िया की मृत्यु दिनांक 5.12.2020 को मेरे निवास स्थान ग्राम आकोड़िया में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत आकोड़िया में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी पुत्री मनीषा का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
- प्रार्थी- भोलू पुत्र रामलाल जाति जाट, निवासी ग्राम आकोडिया, तहसील अरांई, अजमेर

'स्वदेशी और आर्थिक राष्ट्रवाद' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

अजमेर। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय शिक्षण मंडल, चित्तौड़ प्रांत के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के मार्गदर्शन में 'स्वदेशी और भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर के खुले प्रांगण में आयोजित हुआ, जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय के पक्ष तथा विपक्ष दोनों ही दृष्टिकोणों से प्रभावी तर्क प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने अपने वक्तव्यों में कहा कि स्वदेशी केवल एक विचार नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की मजबूत आधारशिला है। वहीं कुछ वक्ताओं ने यह मत रखा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के युग में भारत को स्वदेशी के साथ-साथ गुणवत्ता, नवाचार तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों में भी निरंतर सुधार पर ध्यान देना आवश्यक है। यह आयोजन विद्यार्थियों में स्वदेशी और आर्थिक राष्ट्रवाद जैसे विषयों पर संवाद, चिंतन और जागरूकता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। स्पर्धा में दीपक कुमार साहू ने प्रथम, अभिषेक मिश्रा ने द्वितीय और अनुराग पांडा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को स्मृतिचिह्न और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जबकि अन्य सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र दिए गए। कार्यक्रम के दौरान संवाद कौशल और गहन चिंतन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन चार सदस्यीय निर्णायक मंडल-डॉ. टी. संगीता, डॉ. सुरेश पात्रा, डॉ. प्रांत प्रतिक पटनायक और डॉ. के. बी. आगाड़ी-द्वारा किया गया। निर्णायकों ने वक्तृत्व-कौशल, तार्किकता, प्रस्तुति शैली और उत्तर देने की क्षमता के आधार पर विजेताओं का चयन किया। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय इकाई के उपाध्यक्ष डॉ. शैलेश पाटीदार, सचिव डॉ. धनेश्वर पुष्टी, सह सचिव डॉ. प्रमोद कांबले, व्यवस्था प्रमुख डॉ. अखिल अग्रवाल, सह व्यवस्था प्रमुख डॉ. काशीनाथ मैत्री, सह व्यवस्था प्रमुख डॉ. गजानन सर्वज्ञ और कोर कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त भारतीय शिक्षण मंडल, चित्तौड़ प्रांत के प्रकाशन प्रमुख डॉ. अक्षांश भारद्वाज तथा सह व्यवस्था प्रमुख डॉ. धनंजय तिवारी भी शामिल हुए।

सड़क का कार्य शीघ्र शुरू

मदनगंज-किशनगढ़,(निसं)। किशनगढ़ में शहरी क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत एवं उन्नयन कार्यों में शेष रहे रूपनगढ़ रोड आर ओ बी (पुलिया) की सड़क पर बी टी कार्य इसी सप्ताह में शुरू होगा। भाजपा नेता महेंद्र पाटनी द्वारा हिताशस्त सड़क के जारी कार्य आदेशानुसार बी.टी. कार्य शीघ्र शुरू कराने हेतु जोर दिये जाने पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता रवि बंसल ने इसी सप्ताह कार्य शुरू करने के आश्वस्त किया। पाटनी ने बताया कि तेजस रिसर्च एंड डेवलपमेंट सॉल्यूशन को नगर परिषद क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सी सी. व बी टी. सड़कों का पैकेज के रूप में कार्य दिया गया था, लेकिन आर ओ बी आदि की सड़क का कार्य नहीं किये जाने से नई निविदा से जारी कार्य आदेश से अन्य ठेकेदार द्वारा शीघ्र कार्य शुरू किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत एवं उन्नयन कार्यों के लिये नगर परिषद क्षेत्र के लिये आर्बटित दो करोड रुपये के प्रस्तावित अंबेडकर सर्किल से खिड़की वाले बालाजी तक की सी सी. रोड सहित किए गये अन्य कार्यों में रूपनगढ़ रोड आर ओ बी की टूटी-फूटी क्षतिग्रस्त सड़क का बी टी कार्य शेष रह गया।

राजस्थान पेंशनर समाज पेंशनर दिवस मनाएगा

ब्यावर (निसं) राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाखा कार्यकारिणी की एक अति आवश्यक मीटिंग अध्यक्ष नारायण सिंह पंवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। 17 दिसंबर पेंशनर दिवस के रूप में मनाया जाता है, 17 दिसंबर 1983 को सर्वोच्च न्यायालय भारत सरकार ने डीएस नकारा द्वारा किए गए वाद की सुनवाई करते हुए अपना निर्णय सुनाया कि " पेंशन प्राप्त करना सेवानिवृत कर्मचारियों का हक है। सरकार द्वारा सेवानिवृत्ति पश्चात पेंशन का दिया जाना कोई अनुकंपा नहीं है " कोई भी सरकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन देने से मना नहीं कर सकती उस दिन से ही 17 दिसंबर का दिन पेंशन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है इस बार राज्य सरकार एवं प्रदेश पेंशनर समाज जयपुर द्वारा यह आदेश दिया गया कि इस 17 दिसंबर पेंशनर दिवस को प्रत्येक जिले की जिला शाखाओं एवं उप शाखाओं के स्तर पर बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाएगा इस दिन कोई भी जिला शाखा अथवा उप शाखा अपना वार्षिक सम्मेलन आयोजित नहीं करेगी। उपरोक्त आदेश की पालना में आज पेंशनर समाज ब्यावर की जिला कार्यकारिणी की मीटिंग में उक्त निर्णय हाथ उठाकर ध्वनि मत से पारित हुए। 17 दिसंबर 2025 बुधवार को अपना पेंशनर दिवस राज दरबार गार्डन एवं राज रेस्टोरेंट के बड़े हॉल में आयोजित करेंगे।) इस समारोह में जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक, नगर परिषद आयुक्त ,जिला कोषाधिकारी के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को मेहमान के रूप में आमंत्रित करेंगे। पेंशनर दिवस की सौगात देने वाले पेंशनर डी एस नकारा जी की तस्वीर को दीप प्रज्ज्वलनकर माल्यार्पण किया जाएगा तथा उनके द्वारा किए गए पेंशनर हित के कार्यों को मीटिंग में विस्तृत रूप से बताया जाएगा।

समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। पेंशनर्स के लिए कुर्सी रेस एवं रस्साकशी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम व्यवस्था की व्यवस्था में विचार रखने वालों में मुख्य संरक्षक महोदय श्री गणपत सिंह मुण्डेत , मुख्य संरक्षक सत्यनारायण सांखला , सांक मंडल सदस्य कन्हैया लाल बागड़ी , संरक्षक मंडल सदस्य अब्दुल जब्बार , वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुलाम सरवर ,ओमप्रकाश अठवाल राधेश्याम शर्मा आदि ने अपने विचार रखें । कार्यक्रम का संचालन सचिव हेमंत दीक्षित ने किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत गगवाना पंचायत समिति अजमेर ग्रामीण (अजमेर)
क्रमांक: ग्रा.पं.गगवाना/निविदा/2025-26/165 दिनांक:18.11.25
ई-निविदा सूचना-04/2025-26
ग्राम पंचायत गगवाना में कचरा संग्रहण केन्द्र (राशि रूपये 09.37 लाख) हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निविदा दिनांक 18.11.2025 से 27.11.2025 तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ & http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।
NIB No - ZAJ2526A1412 UBN No- ZAJ2526WSOB01507
प्रशासक, ग्राम पंचायत गगवाना, पं.स. अंराई, अजमेर
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत गगवाना, पं.स. अंराई, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान
क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5044 आम सूचना दिनांक:18-11-25
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 304/5 का भूखण्ड संख्या 30 का कुल 98.33 वर्गगज आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/मय/साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्रीमती पार्वती टांक पत्नि श्री मुकेश टांक निवासी केशव विहार कॉलोनी कृष्णापुरी मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर	मदनगंज खसरा 304/5 98.33 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु

-आयुक्त, नगर परिषद किशनगढ़

नशा मुक्त के लिए शपथ ग्रहण

अजमेर। नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को मंडल कार्यालय, अजमेर के पोर्च में रखा गया। जिसमें मंडल कार्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने उपस्थित कर्मचारियों व अधिकारियों को शपथ दिलाई।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक विकास बूरा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी रघुवीर सिंह चारण सहित अन्य शाखा अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। कर्मचारियों अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन प्रतिज्ञा भी ग्रहण की गई।

सरस डेयरी परिसर में 72वाँ अखिल भारतीय सहकार सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया

■ दुग्ध सहकारिता ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भविष्य में इसकी उपयोगिता और भी बढ़ेगी जिससे लोगों को और अधिक सुविधा मिलेगी

अजमेर। अजमेर सरस डेयरी परिसर में आज 72वाँ अखिल भारतीय सहकार सप्ताह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने सहकारिता को ग्रामीण भारत की आर्थिक रीढ़ बताते हुए कहा कि सहकारिता ही आत्मनिर्भर भारत का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि दुग्ध सहकारिता ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भविष्य में इसकी उपयोगिता और भी बढ़ेगी। चौधरी ने बताया कि अजमेर डेयरी किसानों को समय पर भुगतान, दूध की गुणवत्ता में निरंतर सुधार और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए कई नवाचारों तथा योजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि लॉकडाउन जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी डेयरी ने अपनी सेवाएँ बिना रुके जारी रखकर सहकारिता की मिसाल पेश की। जीएसटी लागू होने और प्लांट निर्माण के दौरान आई कठिनाइयों का भी उन्होंने विस्तार से उल्लेख किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ अजमेर खंड, संजय कुमार का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। चौधरी ने उन्हें डेयरी की कार्यप्रणाली, विस्तार योजनाओं और वर्तमान चुनौतियों से अवगत कराया। डेयरी के प्रबंध संचालक रामलाल चौधरी ने कहा कि अजमेर डेयरी ने पारदर्शिता, गुणवत्ता और किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार प्रगति की है। उन्होंने बताया कि उत्पादक समितियों को सशक्त बनाने, आधुनिक तकनीक अपनाने, प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने और किसानों के लिए लाभकारी योजनाओं को लागू करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अतिरिक्त रजिस्ट्रार संजय कुमार ने कहा कि सहकारिता ग्रामीण विकास का मूल स्तंभ है और दुग्ध सहकारिता आत्मनिर्भर भारत के लिए अत्यंत प्रभावी मॉडल के रूप में उभर रही है। उन्होंने अजमेर डेयरी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि डेयरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही है। उपरजिस्ट्रार राजीव कजोत ने कहा कि सहकारी समितियाँ किसानों तक सीधे लाभ पहुँचाने की सबसे सफल प्रणाली हैं। उन्होंने अजमेर डेयरी की पारदर्शी प्रणाली तथा किसानों केंद्रित कार्यशैली की प्रशंसा की। प्रबंध संचालक, अजमेर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक, हरीश सिवासिया ने कहा कि बैंक और डेयरी के बीच का तालमेल किसानों की आर्थिक उन्नति में प्रमुख भूमिका निभाता है। सहकारिता मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थिर और मजबूत बनाता है। विशेष लेखा परीक्षक अनिल गोयल ने कहा कि कसी भी सहकारी संस्था की सफलता की नींव मजबूत वित्तीय अनुशासन पर टिकी होती है, और इस दिशा में अजमेर डेयरी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। संचालक मंडल की भागीदारी-- कार्यक्रम में संचालक मंडल के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें छोगा लाल चौधरी, दिनेश सिंह राठौड़, मोती गुर्जर, लादूराम शर्मा, भागचंद घासल, राजेंद्र कुमार चौधरी और रूपचंद नुवाद शामिल थे। कार्यक्रम का समापन सहकारिता की अवधारणा को और अधिक सुदृढ़ करने, किसानों और दुग्ध उत्पादकों को अधिक लाभ पहुँचाने तथा सहकारी समितियों को मजबूत करने के संकल्प के साथ किया गया। उपस्थित जनों ने सहकारिता सप्ताह के इस आयोजन को ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। अजमेर डेयरी के अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान
क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5009 आम सूचना दिनांक:17-11-25
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम किशनगढ-बी के खसरा 360 का भूखण्ड संख्या 46 व 47 का कुल 325.00 वर्गगज आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/मय/साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्रीमती राजेश शर्मा पत्नि ओमप्रकाश शर्मा निवासी गणेशजी के मंदिर के पास संस्कृत विद्यालय के सामने शिवाजी नगर मदनगंज किशनगढ़	किशनगढ़-बी खसरा 360 325.00	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु

-आयुक्त, नगर परिषद किशनगढ़

इकाई कार्यालय, रीको किशनगढ़,
-आम सूचना-
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि औद्योगिक क्षेत्र किशनगढ़ चतुर्थ-चरण में भूखण्ड सं. एफ-212 क्षेत्रफल 1000 वर्गमीटर का आवंटन मैसर्स हरिश मार्बल प्रोपराईटर श्री सुखलाल सिवासिया को भूखंड सं. एफ-212 क्षेत्रफल 1000 वगमीटर वरि० क्षेत्रीय प्रबंधक, अजमेर के पत्र क्रमांक RM/AJM/LAND/2826-30 दिनांक 16.11.2001 को किया गया था। भूखंड की लीज एग्रीमेंट दिनांक 8.3.2007 को निष्पादित करवाकर उपपंजीयक कार्यालय किशनगढ़ में दिनांक 8.3.2007 को पंजीबद्ध करवाई गई। यह कि उक्त भूखण्ड के प्रोपराईटर श्री सुखलाल सवासिया का दिनांक 2.7.2021 को स्वर्गवास हो जाने बाबत इनके पुत्र श्री मुकेश कुमार द्वारा कार्यालय में इनके पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र (मृत्यु दिनांक 2.7.2021) की प्रति सजरा प्रमाण पत्र दिनांक 20.7.2021 की प्रति तथा इनकी माता के मृत्यु प्रमाण पत्र (मृत्यु दिनांक 17.9.2008) की प्रति एवं सजरा अनुसार विधिक वारिसान श्रीमती मधु नागर(बहन) पुत्री स्व० श्री सुखलाल सिवासिया पत्नी श्री मोहनलाल नागर के द्वारा अपने भाईयों (श्री हरीश कुमार सिवासिया एवं श्री मुकेश कुमार सिवासिया पुत्रगण स्व० श्री सुखलाल सिवासिया) के पक्ष में उक्त भूखंड संख्या एफ-212 के हक को हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) 10.2.2025 के द्वारा त्याग दिया है। इस संबंध में श्री हरिश कुमार सिवासिया एवं श्री मुकेश कुमार सिवासिया पुत्रगण स्व० श्री सुखलाल सिवासिया ने उक्त भूखण्ड को स्वयं के पक्ष में हस्तान्तरण करने बाबत उक्तानुसार दस्तावेज प्रस्तुत कर आवेदन किया है तथा फर्म का नाम मैसर्स हरीश मार्बल ही रखे जाने हेतु साझेदारी डीड दिनांक 16.06.2025 को निष्पादित की गई है। अतः उक्तानुसार भूखंड सं. एफ-212 क्षेत्रफल 1000 वर्गमीटर का हस्तान्तरण 1. श्री हरीश कुमार सिवासिया पुत्र स्व० श्री सुखलाल सिवासिया एवं 2. श्री मुकेश कुमार सिवासिया पुत्र स्व० श्री सुखलाल सिवासिया साझेदारी फर्म मैसर्स हरिश मार्बल के पक्ष में नियमानुसार किया जाना है। अतः उक्त भूखंड सं. एफ 212 क्षेत्रफल 1000 वर्गमीटर के लीज होल्ड राईटस 1. श्री हरीश कुमार सिवासिया एवं 2. श्री मुकेश कुमार सिवासिया पुत्रगण स्व० श्री सुखलाल सिवासिया के नाम हस्तान्तरण करने से पूर्व आपत्तियां आमंत्रित की जाती है कि किसी भी व्यक्ति/अन्य कोई वारिस/परिवार के किसी सदस्य/व्यक्ति/संस्था /वित्तीय संस्थान, किसी भी विभाग को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के 30 दिवस में इस कार्यालय को अपनी आपत्ति मय साक्ष्य के लिखित में प्रस्तुत करें, बाद उक्त मियाद के भूखंड संख्या एफ 212 क्षेत्रफल 1000 वर्गमीटर का हस्तान्तरण 1. श्री हरीश कुमार सिवासिया पुत्र स्व. श्री सुखलाल सिवासिया एवं 2. श्री मुकेश कुमार सिवासिया पुत्र स्व. श्री सुखलाल सिवासिया साझेदारी फर्म मैसर्स हरीश मार्बल के नाम से कर दिया जावेगा, एवं इसके पश्चात दर्ज एतराज को अवैध मानकर उस पर गौर नहीं किया जायेगा। -अजय विश्वकर्मा, इकाई प्रभारी, रीको किशनगढ़

-आम सूचना-
मैं अपने पक्षकार श्री श्याम सुन्दर सारस्वत पुत्र स्व. श्री प्रेमराज सारस्वत उम्र लगभग 55 वर्ष जाति ब्राह्मण निवासी वार्ड नं. 04 संतोषी माता कि ढाणी बड़ी बस्ती पुष्कर की ओर से सभी आमजन एवं प्रशासन को सूचित करता हूं कि मैंने वर्ष 2018 में अपने पुत्र भगवती प्रसाद सारस्वत व उसकी नाता पत्नि ललिता सारस्वत पुत्री श्री ओमप्रकाश निवासी तहसील दूदोली जिला डीडवाना को रोज-रोज के झगड़ों से परेशान होकर व मेरे व मेरी पत्नी के कहने में नहीं होने के कारण अपनी समस्त संपत्ति व अधिकारों से पुत्र व पुत्रवधु को घर से बेदखल कर दिया था। वर्तमान में मेरा पुत्र व उसकी पत्नी व ससुराल पक्ष में बहकावें व दबाव में आकर मुझे व मेरी पत्नी को सम्पत्ति नाम करने व सम्पत्ति नहीं देने पर आत्महत्या करने की धमकी देता है। यदि भविष्य में ऐसी कोई घटना कारिता होती है तो उसके जिम्मेदार स्वयं भगवती प्रसाद व उसकी पत्नी व ससुराल पक्ष होंगे। एडवोकेट- रोहन पाराशर

हत्या के मामले में एक ही परिवार के सात लोगों को आजीवन कारावास

11 साल पहले युवक की पीट-पीटकर हत्या की थी, दोषियों में पति-पत्नी और बेटी भी थी

- पुलिस ने चालान में एक आरोपी को दोषी बताया था, लेकिन सुनवाई के बाद जिला कोर्ट ने सात आरोपियों को दोषी पाया
- कोर्ट ने आरोपियों पर 20-20 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है, जिसे नहीं चुकाने पर छह महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी

बीकानेर, (निसं)। जिला कोर्ट ने हत्या के मामले में एक ही परिवार के सात लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 20-20 हजार रुपए जुर्माना लगाया। दोषियों में पति-पत्नी और बेटी भी शामिल हैं। 11 साल पहले युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है।

पुलिस ने चालान में एक आरोपी को दोषी बताया था, लेकिन सुनवाई के बाद जिला कोर्ट ने सात आरोपियों को दोषी पाया। कोर्ट ने माना कि हत्या सामूहिक रूप से की गई, इसलिए सातों अभियुक्त दोषी हैं। घटना बीकानेर के बम्बलू गांव में 27 मई 2014 को हुई थी। भंवरनाथ निवासी बम्बलू ने गांव के ही दुर्गनाथ से एक जमीन खरीदी थी। हत्या के आरोपियों का दावा था कि उनका जमीन में हिस्सा है। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच में विवाद चल रहा था। विवाद को लेकर गांव में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पंचायत हुई थी, जिसमें तय हुआ कि जमीन बेची गई है और भंवरनाथ ने खरीदी है। इसके बाद दुर्गनाथ के मामा अपने परिजनों को समझाने भी गए। दोनों पक्षों को समझाया भी गया था।

27 मई 2014 को अन्नानाथ ने बीकानेर के बम्बलू स्थित पुलिस चौकी पर रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि उसके भाई भंवरनाथ की हत्या कर दी गई है। भंवरनाथ अपने चाचा के घर जा रहा था। रास्ते में एक पिकअप में सवार होकर आए लोगों ने उसे रोक लिया। इस दौरान मोहननाथ पिकअप चला रहा था। उसके साथ हेमनाथ, धन्नानाथ, शंकरनाथ, बाधु, सीता और सरोज भी थी। इन सभी ने मिलकर भंवरनाथ के साथ मारपीट की। पीबीएम हॉस्पिटल में मृतक का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसमें भंवरनाथ के शरीर पर करीब 40 जगह गंभीर चोट के निशान मिले थे। इसके बाद जामसर थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने अगस्त 2014 में चालान पेश किया, जिसमें मोहननाथ को हत्यारा बताया। इसके बाद से कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। सबूत और गवाहों को आधार मानते हुए कोर्ट ने मोहन समेत कुल 7 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने तीन सगे भाइयों मोहननाथ, हेमनाथ और धन्नानाथ, हेमनाथ के बेटे शंकर नाथ, शंकर की पत्नी बाधु, बेटी सरोज और मोहन नाथ की पत्नी सीता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20-20 हजार रुपए जुर्माना लगाया है, जिसे नहीं चुकाने पर छह महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में परिवादी की ओर से एडवोकेट ओ.पी. हर्ष ने अदालत में पक्ष रखा।

रिश्वत लेते गिरफ्तार कार्मिक की सेवाएं समाप्त की

रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार आरोपी।

- एलआरपी धर्मेंद्र की सेवाएं समाप्त, बीपीएम रेणुका की सेवा समाप्त करने की अभिशंषा राज्य मिशन निदेशक को भिजवाई

झुंझुनूं, (निसं)। गत 10 नवंबर को रिश्वत लेते गिरफ्तार राजीविका की चिड़ावा बीपीएम रेणुका तथा सुलताना कलस्टर के एलआरपी धर्मेंद्र को गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब राजीविका ने बड़ा एक्शन लिया है। जिला परियोजना प्रबंधक विप्लव न्यौला की अभिशंषा पर एलआरपी धर्मेंद्र की सेवाएं समाप्त कर दी गई है, जबकि बीपीएम रेणुका की सेवा समाप्त करने की अभिशंषा भी राज्य मिशन निदेशक को भिजवा दी गई है।

इस मामले में जिला परियोजना प्रबंधक विप्लव न्यौला ने एसीबी की कार्रवाई के बाद ही एसीबी से इस मामले में रिपोर्ट मांगी थी। इसी आधार पर उन्होंने प्रेरणा राजीविका महिला सर्वांगिण विकास सहकारी समिति लिमिटेड सुलताना के प्रबंध मंडल को कलस्टर लेवल पर कार्यरत पशुधन संदर्भ व्यक्ति एलआरपी धर्मेंद्र कुमार की सेवाएं समाप्त करने की अनुशंषा की थी। जिस पर संबंधित सहकारी समिति ने धर्मेंद्र कुमार की सेवाएं समाप्त कर दी है। वहीं ऐसी ही एक अनुशंषा राज्य मिशन निदेशक को बीपीएम रेणुका की सेवा समाप्ति को लेकर की गई है। राज्य मिशन निदेशक को भेजी गई अनुशंषा में बीपीएम रेणुका द्वारा पिछले करीब एक साल से कार्य के प्रति बरती जा रही लापरवाही और रेणुका को दिए गए करीब आधा दर्जन नोटिसों का भी हवाला दिया गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही रेणुका की सेवा समाप्ति के आदेश राज्य मिशन निदेशक की ओर से जारी होंगे। जानकारी के अनुसार ये दोनों ही रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारी फिलहाल जेल में है।

विप्लव न्यौला, जिला परियोजना प्रबंधक, राजीविका, झुंझुनूं ने बताया कि चिड़ावा बीपीएम रेणुका के खिलाफ पहले भी शिकायतें थी। अंतिम नोटिस दिया हुआ था। इस दौरान ही रिश्वत लेते गिरफ्तार हो गई थी। एलआरपी धर्मेंद्र भी एसीबी द्वारा गिरफ्तार किया गया है। दोनों की सेवा समाप्ति की अभिशंषा संबंधित अपाइन्टमेंट आथिरिटी को की गई थी। धर्मेंद्र की सेवा समाप्त कर दी गई है। बीपीएम का निर्णय राज्य मिशन निदेशक स्तर पर लिया जाना है।

नौ साल के भतीजे की हत्या करने वाले ताऊ को उम्रकैद की सजा सुनाई

- गोली मारकर हत्या करने के बाद सबूत छुपाने के लिए शव को खेत में दफना दिया था
- आरोपी के कोई संतान नहीं थी, इस कारण वह भतीजे को अपने पास ले गया था

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में नौ साल के भतीजे की गोली मारकर हत्या करने वाले ताऊ को एडीजे कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज सरिता नौशाद ने वर्ष 2018 में हुए इस मामले का फैसला सुनाते हुए आरोपी पवन पुत्र मोहनराम को दोषी करार दिया।

अपर लोक अभियोजक सोहननाथ सिद्ध ने बताया कि दातारामगढ़ निवासी और घटना के समय कालेरा रोही में रहने वाली केसरदेवी पत्नी सुरेश ने 28 जनवरी 2018 को अपने जेठ पवन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। आरोप लगाया था कि पवन ने उसके नौ साल के बेटे मुकेश की गोली मारकर हत्या कर दी। सबूत छुपाने के लिए शव को खेत में दफना दिया गया।

रिपोर्ट पर पुलिस ने 30 जनवरी 2018 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने चुनाराम के खेत से जमीन में दफनाए गए मासूम के शव को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम करवाया। साथ ही हत्या में प्रयुक्त बंदूक और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी कोर्ट में प्रस्तुत किए गए।

पीड़िता केसर देवी के अनुसार आरोपी पवन के कोई संतान नहीं थी। इस कारण वह उसके बेटे मुकेश को अपने पास ले गया था। पीड़िता ने बताया कि उसने अपनी ननद और नणदोई के जरिए मुकेश को आरोपी के डेरे पर भेजा था। कुछ समय बाद पवन ने उन्हें बताया कि मुकेश रात में डेरे से गायब हो गया है। जब परिजनों ने तलाश शुरू की तो एक पड़ोसी ने बताया कि पवन ने रात में ही मुकेश को गोली मार दी और शव को घर के पास खेत में मिट्टी में दबा दिया। करीब आठ साल तक कोर्ट में सुनवाई चली, इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। आरपीएससी द्वारा सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर (गृह-ग्रुप 1 विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत पात्रता जांच के बाद फिजिक्स डिवीजन के पद के लिए मुख्य सूची जारी कर दी है। आयोग सचिव ने बताया कि सूची में पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत विज्ञापित पद के विरुद्ध एक अभ्यर्थी को मुख्य सूची में सफल घोषित किया है।

आरएएस भर्ती-2024 के साक्षात्कार एक दिसंबर से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2024 के प्रथम चरण की साक्षात्कार तिथियां घोषित कर दी हैं। इस भर्ती के पदों के लिए प्रथम चरण के साक्षात्कार 1 से 12 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र की दो प्रतियां मय सभी मूल दस्तावेजों व उनकी फोटो कॉपी के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।

अभ्यर्थियों को अपने साथ एक नवीनतम पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो और एक मूल फोटो पहचान पत्र भी लाना होगा। इन दस्तावेजों के बिना किसी भी अभ्यर्थी को साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साक्षात्कार पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे।

तीन भर्तियों का साक्षात्कार कार्यक्रम भी जारी : राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा तीन अन्य भर्तियों हेतु भी साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत 1 से 12 दिसंबर तक सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती-2023 अंतर्गत भूगोल विषय के पदों के लिए साक्षात्कार का चतुर्थ चरण 1 से 12 दिसंबर 2025 एवं सहायक कृषि अधिकारी (कृषि विभाग) भर्ती-2018 के पदों हेतु अंतिम चरण के साक्षात्कार 1 से 11 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे।

सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) भर्ती-2021 के अंतर्गत मेडिकल ऑन्कोलॉजी (सुपर स्पेशियलिटी) के पदों हेतु साक्षात्कार का आयोजन 12 दिसंबर को किया जाएगा। उक्त साक्षात्कारों में सम्मिलित होने वाले ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में विस्तृत आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, उन्हें विस्तृत आवेदन पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर और उसे भरकर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने होंगे।

सूने मकान के ताले तोड़कर लाखों की चोरी

- बुजुर्ग का इलाज करवाने हरियाणा गया था परिवार, वापस लौटे तो ताले टूटे मिले

श्रीगंगानगर, (निसं)। सूने मकान के ताले तोड़कर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नगदी चोरी करने का मामला सामने आया है। मकान मालिक अपने परिवार के साथ अपनी बीमारी का इलाज करवाने के लिए हरियाणा गया हुआ था। इस दौरान पीछे से सूने मकान में चोरों ने धावा बोल दिया और चोरी कर भाग गए। घटना श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में गोपालराम (66) निवासी गली नंबर-1, एसएसबी रोड (चक 3 ई छोटी) श्रीगंगानगर ने बताया कि वह अपनी बीमारी का इलाज करवाने के लिए परिवार के साथ रोहतक (हरियाणा) गए हुए थे। मकान पिछले 12 दिन से बंद था। इस दौरान पीछे से मकान में चोर घुस गए। चोर कमरे के अंदर रखी अलमारी के ताले तोड़कर बेटी मंजू का 2.50 तोला सोना, पत्नी की सोने की बाली और 20 हजार रुपए कैश चोरी कर भाग गए। मकान मालिक जब वापस अपने घर पहुंचा तो मकान के टूटे हुए ताले लटक रहे थे और अंदर सामान बिखरा हुआ था। मकान में चोरी हो चुकी थी। जिसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को रिपोर्ट देकर मामला दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर गुरदीप सिंह कर रहे हैं। पुलिस मकान के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

मंदिर में चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

कालू, (निसं)। यहां कालका माता मंदिर में 17 अक्टूबर को हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस वारदात का खुलासा करते हुए चांदी के छत्र और मुकुट चुराने वाले गिरोह के सदस्यों को पकड़ा है।

चोरों ने मंदिर के पीछे से घुसकर गर्भ गृह का ताला तोड़ा था और अंदर प्रवेश कर चोरी को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी रोष था और वे लगातार पुलिस प्रशासन से चोरों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। प्रकरण की गंभीरता और लोक भावनाओं को देखते हुए पुलिस ने सुपरविजन में अलग-अलग टीमें गठित की। इन टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगतसिंह उर्फ दीपक, पूजा उर्फ पूजी, और सवीता पत्नी जगतसिंह हैं।

दो पक्षों के बीच जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

- युवक झगड़े का वीडियो बना रहा था, दोनों पक्षों में लाठी-डंडे, फरसी और गोलियां चली, करीब दो घंटे तक झगड़ा चलता रहा
- झगड़े में तीन महिलाओं सहित छह लोग घायल, पांच घायलों का अस्पताल में इलाज जारी
- पीड़ित के परिवार का आरोप है कि सुबह 9 से 11 बजे तक कंट्रोल रूम और थाने में कई बार फोन किया, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची
- पीड़ित पक्ष की 8 बीघा जमीन में से आरोपियों की करीब दो बिस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था

अलवर, (निसं)। एक परिवार के दो पक्षों के बीच जमीन विवाद में युवक के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक झगड़े का वीडियो बना रहा था। दोनों पक्षों में लाठी-डंडे, फरसी और गोलियां चलीं। झगड़े में तीन महिलाओं सहित 6 लोग घायल हुए। इनमें से 5 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मामला अलवर के नौगांवा थाना क्षेत्र स्थित रघुनाथगढ़ कॉलोनी में मंगलवार सुबह का है। पीड़ित पक्ष की 8 बीघा जमीन में से आरोपियों की करीब दो बिस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी को लेकर सुबह करीब दो घंटे तक झगड़ा चलता रहा। पीड़ित के परिवार का आरोप है कि सुबह 9 से 11 बजे तक कंट्रोल रूम और थाने में कई बार फोन किया, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

नौगांवा थानाधिकारी धर्मसिंह ने बताया कि अलवर की रघुनाथगढ़ कॉलोनी में दो पक्षों में झगड़ा हुआ है। मामले की हर एंगल से जांच कर रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। झगड़े में रफीक खान (30) पुत्र सुब्बा की मौत हुई है। पीड़ित और आरोपी दोनों एक ही परिवार के हैं।

रफीक के परिजनों ने बताया कि रफीक के पिता सुब्बा की 8 बीघा जमीन में से आरोपियों की करीब दो बिस्वा भूमि है। इसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपी पूरी जमीन के बीच में अपना हिस्सा मांग रहे थे। इसके लिए हम तैयार नहीं हैं, क्योंकि इससे हमारी पूरी जमीन का नक्शा बिगड़ जाएगा।

उन्होंने बताया कि आज सुबह आरोपी पक्ष 50-60 लोगों के साथ पहुंचा और हथियारों से हमला कर दिया। परिजनों का दावा है कि झगड़ा करीब दो घंटे तक चलता रहा। 9 से 11 बजे तक कंट्रोल रूम और थाने में कई बार शिकायत की, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। झगड़े के दौरान रफीक के सिर में गोली लग गई। उसे पहले नौगांवा के निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रफीक के परिजन शहरुन खान के अनुसार, आरोपी सुपेदा, रोशन, फजरू और सुलेमान के परिवार ने हमला किया। गोली लगने के बाद रफीक खान को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

झगड़े में रफीक की मां आसीनी (65) के सिर में भी चोट लगी है। रफीक के मामा महमूद (40) भी घायल हुए हैं। नूरुद्दीन खान (45), रफीना (30) और महमूदी (32) घायल हो गए हैं। घायलों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इनके अलावा परिवार का एक सदस्य और घायल हुआ, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। नूरुद्दीन खान को सीरियस कंडीशन में जयपुर रेफर कर दिया है। उसके सिर में फावड़े से हमला किया गया था।

घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली औरएनईबी थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। फिलहाल पुलिस मौके और अस्पताल में तैनात है, ताकि स्थिति बिगड़े नहीं।

दुकान में लाखों की चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के बाजार नंबर दो में स्थित एक होलसेल किराना दुकान में हुई बड़ी चोरी से इलाके में सनसनी फैल गई। सिटी कंट्रोल रूम के पीछे स्थित हीरा ट्रेडिंग नामक होलसेल किराना शॉप को नकाबपोश चोर ने निशाना बनाया।

दुकान मालिक किशोर गुरनानी ने बताया कि सोमवार रात अज्ञात चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसा और गल्ले में रखी नकदी सहित लगभग ढाई लाख रुपये से अधिक की राशि चोरी कर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

भरतपुर की सुजान गंगा नगर में ऑक्सीजन की कमी से मछलियों की मौत

यह पहली बार नहीं है, बल्कि प्रतिवर्ष ऐसा ही मामला सामने आता है

भरतपुर शहर की सुजान गंगा नगर में ऑक्सीजन की कमी के चलते मछलियों की मौत हो रही है।

- सुजान गंगा नहर में मछलियों की मौत का मुख्य कारण दूषित पानी है, जिससे पानी में घुली हुई ऑक्सीजन की कमी हो जाती है

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर शहर की जीवनदायिनी कहे जाने वाली सुजान गंगा नगर में ऑक्सीजन की कमी के चलते मछलियों की मौत हो रही है, जिससे निकालने का काम किया जा रहा है। यह पहली बार नहीं है, बल्कि प्रतिवर्ष ऐसा ही मामला सामने आता है। सुजान गंगा नहर में मछलियों की मौत का मुख्य कारण दूषित पानी है, जिससे पानी में घुली हुई ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जो मछलियों के लिए जानलेवा है। सर्दियों में पानी की ऊपरी परत जमने से भी ऑक्सीजन अंदर नहीं जा पाती। इसके अलावा, नहर में जमी गंदगी भी मुख्य वजह है।

नगर निगम आयुक्त श्रवण कुमार विश्नोई ने कहा कि मछलियों के मृत होनी कि जानकारी मिली थी। मृत मछलियों को बाहर निकालने का ठेका दे रखा है। मछलियों के मरने का कारण ऑक्सीजन की कमी है। आगे मछलियां नहीं मरे इसके लिए ऑक्सीजन के साधन लगाए जायेंगे। फव्वारे भी नहीं चल पा रहे बीडीए से बात कर 8 से 10 घंटे चलवाएंगे। जिससे मछलियों को ऑक्सीजन मिल सके।

साबिर खान ने बताया कि मृत मछलियों का निकालने का ठेका भतीजे सोनू कुरैशी के नाम से है। इन्होंने बताया कि सुजान गंगा नहर में कचरा जमा है। जिससे पानी दूषित होने से मछलियों को ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है, जिससे उनकी मौत हो रही है, सुजान गंगा नहर से करीब 5 से 6 क्विंटल मछलियों को बाहर निकलवाकर दफनाया गया है। उन्होंने मांग की है दूषित पानी को बाहर निकलवाकर शुद्ध पानी भरा जाए और जो इसमें फव्वारे लगे हुए है उन्हें चलवाया जाए।

वहीं ठेकेदार के द्वारा मृत मछलियों को निकलवाने काम नाबालिग बच्चों से कराया जा रहा है। मीडिया को देख बच्चे मृत मछलियों को छोड़ भागने लगे। जब इसके बारे में ठेकेदार से बातचीत की तो उन्होंने कहा बच्चे खेलने के लिए आए थे।

OFFICE OF MUNICIPAL BOARD NAWA CITY (DIDWANA-KUCHAMAN)

SR.NO. :MBN/DEV/2025-26/1662 DATE : 13.11.2025

NOTICE INVITING BID

03 Bids for Cleaning work and CC Road at FSTP (cost 25.08 lacs) are invited from interested bidders up-to 12.00 PM (time) 24.11.2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

NIB NO. DLB2526A8017 UBN No. DLB2526WSOB24079, 24080, 24082

EPROC TENDER ID : 2025_DLB_513033_1, 2, 3

Raj.Samwad/C/25/14056 Executive Officer

Rajasthan Financial Services Delivery Limited

3rd Floor, B-Block, Vitta Bhawan, Janpath, Jaipur-302005 (Raj.)

e-mail Id: rfsdl@rajasthan.gov.in

File No. :- F.1(21)/RFSDL/2025 Date :- 14/11/2025

NOTICE INVITING BIDS

(NIB-03/2025-26)

Bid for Empanelment for the Procurement of Consultancy Firms (Tier-I) by RFSDL is invited from interested bidders up to 05.00 PM on dated 04.12.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in of the state and RFSDL website https://rfsdl.rajasthan.gov.in). The approximate value of the procurement is INR 25 Crores. UBN Number : FGT2526SLOB00018

Raj.Samwad/C/25/14080 Executive Director (Adm.)

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.)

क्रमांक:-न.प.हि./8179 दिनांक:-13.11.2025

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-

नगर परिषद हिण्डौन सिटी की ओर से विकास/निर्माण/मरम्मत निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए., बी., सी, डी श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN NO. DLB2526WSOB24222

समापति नगर परिषद हिण्डौन सिटी

आयुक्त नगर परिषद हिण्डौन सिटी

राज.संवाद/सी/25/14061

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक : न.परि.झा./safai/2025/4556 दिनांक: 14.11.2025

-: ई-निविदा :-

(Nit No. 07/2025-26)

UBN No :- DLB2526WSOB24122

NIB Code :- DLB2526A8025

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2025.-26 में कार्य विशेश का अनुभव रखने वाले पंजीकृत संवेदको से Operation and maintenance of modern toilet at bhawani park and modular pre-fabricated toilets (5Nos.) in various wards of municipal council Jhalawar for 2 years. हेतु निम्नानुसार निविदायें दिनांक 28.11.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र एवं शर्तो का विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त किये जा सकेंगे।

आयुक्त नगरपरिषद् झालावाड

राज.संवाद/सी/25/14089

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति 'द' श्रेणी कुम्हेर, जिला डीग (राज.)

क्रमांक :- राजकाज 18848724 दिनांक :- 14/11/2025

ई-बोली सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति कुम्हेर में वर्ष 2025-26 के निम्न कार्यों हेतु रजिस्टर्ड फर्मो/संस्थाओं/कम्पनियों के निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमैन्ट के माध्यम से ऑनलाईन बोलियों आमंत्रित की जाती है।

NIB No.- DAM2526A0561, UBN: DAM2526GLOB00982

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों मे)	बोली प्रपत्र शुल्क	बोली प्रतिभूति	वेबसाईट से बोली प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि	बोली प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करने की तिथि	तकनीकी बिड खोलने की तिथि
1	ऑयल टेस्टिंग मशीन की आपूर्ति (01 नग)	15.00	1000+18% GST=1180	30000/-	24.11.2025	24.11.2025	25.11.2025

बोली प्रपत्र वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:sppp.rajasthan.gov.in से निर्धारित दिनांक अवधि में डाउनलोड किये जा सकते है। बोली प्रपत्र शुल्क, बोली प्रतिभूति राशि एवं बोली प्रोसेसिंग फीस 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक द्वारा भौतिक रूप से दिनांक 25.11.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, कुम्हेर में जमा करानी होगी तथा इनकी स्केन प्रति भी बोली प्रपत्र के साथ ऑनलाईन प्रस्तुत करनी होगी। बोली प्रपत्र ऑफलाईन स्वीकार नही किये जायेगे।

राज.संवाद/सी/25/14099 प्रशासक सचिव

जयपुर स्थापना दिवस पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रतिभाओं को बढ़ाया हौसला

महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय जयंती सम्मान समारोह एवं जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। राजपूत सभा भवन में महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय जयंती सम्मान समारोह एवं जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- **उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा समाज के उत्कर्ष्ट कार्य करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा समाज के उत्कर्ष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि विधायक देवी सिंह शेखावत विशिष्ट अतिथि रहे।

इस अवसर पर शिक्षा,अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा समाज के उत्कर्ष्ट कार्य करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रही।अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और ऐसे सम्मान समारोह उन्हें आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं, इसलिए उन्हें भी समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए।

उन्होंने सभी से विरासत को सुरक्षित रखने और 36 कौम को साथ लेकर आगे बढ़ने की अपील की। साथ ही जयपुर स्थापना दिवस पर शहर को साफ़ और सुरक्षित रखने की सामूहिक जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम में राजपूत सभा अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, महामंत्री धीर सिंह शेखावत, संगठन मंत्री अजयपाल सिंह, सहमंत्री पृथ्वी सिंह कालीपहाड़ी, कोषाध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह मुंडरू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य के भीलवाड़ा और बाड़मेर जिले सहित सात अन्य जिले पुरस्कृत

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्थान के भीलवाड़ा और बाड़मेर जिलो को जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कलेक्टर टीना डाबी और भीलवाड़ा के जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु को पुरस्कार स्वरूप 2 करोड़ रूपये का पुरस्कार प्रदान किया।केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल ने राज्य के अन्य सात जिलों जयपुर और उदयपुर को 1 करोड़ रूपये तथा अलवर, डूंगरपुर, बारां, चित्तौड़गढ़ और सीकर जिलो से आए प्रतिनिधियों को 25 लाख रूपये के पुरस्कार से सम्मानित किया पाटिल ने उदयपुर जिला परिषद की सीईओ सुरिया डाबी को एक-एक करोड़ रूपये सीकर एसई वॉटरशेड रमेश मीना को 25 लाख रूपये के पुरस्कार प्रदान किये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर नवनियुक्त मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शिष्टाचार भेंट थी।

इंटरनेशन एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की मॉकड्रिल

जयपुर। जवाहर सर्किल इलाके में स्थित इंटरनेशन एयरपोर्ट के टर्मिनल - 2 पर मंगलवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की ओर मॉकड्रिल की गई। जिसके बाद टर्मिनल - 2 पर हड़कंप का माहौल बन गया। लेकिन कुछ बाद ही मॉकड्रिल की जानकारी मिलने के बाद वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। इस मॉकड्रिल में बम की धमकी से बचाव के लिए अभ्यास किया गया। ड्रिल एयरपोर्ट के परिसर में रियल टाइम में बम की धमकी में सर्च कर रिस्पॉन्स टाइम नोट करने के लिए किया गया यह मॉक ड्रिल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल , एयरपोर्ट अफसर, एयरलाइन पार्टनर्स और अन्य हितधारकों की पूर्ण समन्वित भागीदारी में आयोजित की गई। टर्मिनल के अंदर डॉग स्क्वायड तैनात किया गया। जबकि संभावित मॉकड्रिल विस्फोटक के सुरक्षित संचालन में मदद के लिए टीसीवी (खतरा रोकथाम वाहन) तैनात किया गया था।इस अभ्यास का उद्देश्य हमारी निकासी प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना, वास्तविक समय में समन्वय का परीक्षण करना और सभी संबंधित टीमों में संकट-प्रतिक्रिया तंत्र को सुदृढ़ करना था।

यूनिटी मार्च भारत की एकता, अखंडता का प्रतीक : मदन राठौड़

जयपुर । सरदार 150 यूनिटी मार्च की प्रदेश कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश प्रभारी, राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, योगदान और राष्ट्र-निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।

- **26 नवंबर को यमुना प्रवाह जयपुर से होगी रवाना, अजमेर, पाली, जोधपुर, सिरोही होते हुए जाएगी गुजरात : जितेंद्र गोठवाल**

डॉ.राधा मोहनदास अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में इतिहास के अनेक तथ्य दबाए गए और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को व्यवस्थित रूप से कम करके दिखाया गया। सरदार 150 यूनिटी मार्च का उद्देश्य सरदार पटेल के व्यक्तित्व, उनके राष्ट्र एकीकरण के प्रयासों और उनके वास्तविक ऐतिहासिक योगदान को देश तक पहुँचाना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों का सफल एकीकरण कर एक भारत की नींव रखी। यह यूनिटी मार्च उसी एकता, अखंडता और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। राजस्थान से निकलने वाली गंगा प्रवाह और यमुना प्रवाह का प्रदेशभर में भव्य स्वागत किया जाएगा और प्रतिभागियों को राजस्थान की संस्कृति, परंपरा और आतिथ्य की यादगार अनुभूति कराई जाएगी।

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक जितेंद्र गोठवाल ने यूनिटी मार्च की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए बताया कि गंगा प्रवाह 22 नवंबर को नई दिल्ली से रवाना होकर उसी दिन अलवर पहुंचेगी। अलवर से कोटा, उदयपुर होते हुए यह गुजरात में प्रवेश करेगी। यहां अलवर में पौधारोपण, योग कार्यक्रम, कोटा में कोचिंग संस्थानों में संवाद, उदयपुर में योग, पौधारोपण एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गोठवाल ने बताया कि 26 नवंबर को जयपुर में यमुना प्रवाह को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार 26 नवंबर को दिन में कॉलेज संपर्क अभियान, रात्रि में पुष्कर में सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह, 27 नवंबर को अजमेर में योग, छात्र परिसर संपर्क, पौधारोपण, रात्रि में जोधपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 28 नवंबर को जोधपुर में मेहरानगढ़ किला अवलोकन, पाली के लिए प्रस्थान, रात्रि में माउंट आबू में सांस्कृतिक कार्यक्रम व भ्रमण, 29 नवंबर को आबू से गुजरात के आणंद के लिए प्रस्थान किया जाएगा।

एक बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने रामनगरिया थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपित के पास से एक पिस्टल जब्त किए हैं। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि सीएसटी ने पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन के तहत रामनगरिया थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए सूर्य प्रताप सिंह हाल जगतपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

जेजेएस एग्ज़ीबिटर्स मीट का आयोजन

जयपुर। जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) 2025 के लिए राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में एग्जीबिटर्स मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ज्वैलर्स उपस्थित रहे और आगामी शो को लेकर काफी उत्साहित दिखे। मीट में 350 से अधिक एग्जीबिटर्स ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जेजेएस की थीम कलर्ड जेमस्टोन्स है। इस मेगा ज्वैलरी शो का 21वां वर्ष इस बार 19 से 22 दिसंबर तक सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाला है।

- **मीट में 350 से अधिक एग्जीबिटर्स ने भाग लिया**

जेजेएस के मानद सचिव, राजीव जैन ने एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्यक्रम का नए लेआउट और साथ ही एग्जीबिटर्स और विजिटर्स को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जैन ने जेजेएस की उल्लेखनीय यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि शो ने 67 बूथों से शुरू होकर आज 1225 बूथों का आकार ले लिया है, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। जेजेएस में इस वर्ष 700 से अधिक एग्जीबिटर्स भाग ले रहे हैं, वहीं पिंक क्लब में बी2बी इंटरेक्शन के लिए 74 बूथ होंगे। इसके अतिरिक्त, जयपुर ज्वैलरी डिजाइन फेस्टिवल (जेजेडीएफ) के अंतर्गत 67 बूथ्स होंगे। उन्होंने आगे जानकारी दी कि जेजेएस का उद्घाटन मुख्य अतिथि जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका, इंक. (जीआईए) के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रीतेश पटेल द्वारा किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेजों में विद्यार्थियों को उचित दरों पर मिलेगा पौष्टिक भोजन

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश के मेडिकल कॉलेज एवं इनसे सम्बद्ध अस्पतालों में आधारभूत व्यवस्थाओं के साथ समग्र रूप से सुदृढ़ीकरण के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी एवं संबद्ध चिकित्सा महाविद्यालयों में मेस एवं कैंटीन सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने हेतु 12-सूत्रीय दिशा-निर्देश निर्धारित किए हैं, जिनसे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल एवं संबद्ध अस्पतालों में स्वच्छ, किफायती, पौष्टिक एवं छात्र-केन्द्रित भोजन व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कैंटीन संचालन हेतु 12-सूत्रीय दिशा-निर्देशों की यह पहल भोजन गुणवत्ता में सुधार, नियमित समय पर निर्माण, स्वच्छता, सही कीमतें एवं उचित प्रबंधन में कारगर साबित होंगी। उन्होंने बताया कि कैंटीन से जुड़ी समस्याओं के समाधान से छात्रों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। साथ ही, इससे इनके मनोबल एवं पढ़ाई पर भी सकारात्मक असर होगा। इससे राज्य के 20 हजार से अधिक चिकित्सा छात्रों के लिए स्वस्थ, तनावमुक्त वातावरण सुनिश्चित होगा।

- **कैंटीन सुविधाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी**

शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा अम्बरीष कुमार ने बताया कि कैंटीन संचालन के संबंध में ये आदेश जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर सहित सभी जिलों के चिकित्सा महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के प्राचार्यों एवं नियंत्रकों को जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन निर्देशों के अनुसार सभी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं छात्रावासों में शहरी-ग्रामीण संदर्भ के अनुसार तत्काल मेस एवं कैंटीन व्यवस्था स्थापित किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था तत्काल लागू की जाएगी।

दिशा निर्देशों के अनुसार कैंटीन में स्वच्छ रसोई, सुरक्षित पेयजल, अपशिष्ट प्रबंधन, बैठने की पर्याप्त जगह एवं बर्तन के साथ नियमित स्वच्छता ऑडिट अनिवार्य किया गया है। छात्र-शिक्षक-प्रशासन की संयुक्त समिति मेन्यू निर्धारण करेगी।निर्देशों के अनुसार संयुक्त समिति द्वारा खाद्य पदार्थों की उचित दरें अनुमोदित की जाएंगी। साथ ही किसी भी प्रकार की मनमानी वृद्धि नहीं की जा सकेगी। कैंटीन में पारदर्शी शुल्क संग्रहण एवं लेखा-जोखा रखना अनिवार्य होगा। कैंटीन हेतु पारदर्शी ई-टेंडर से चयन, वार्षिक नवीनीकरण, प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन आदि किया जाएगा। साथ ही नियमों एवं गुणवत्ता में उल्लंघन करने पर दंड का प्रावधान होगा।

शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स को मिला बेस्ट रूरल टूरिज्म अवॉर्ड

भाजपा नेत्री एवं शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स की निदेशक रानी रत्ना कुमारी ने पुरस्कार ग्रहण किया।

जयपुर। जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स को बेस्ट रूरल टूरिज्म इनसेंटिव अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजस्थान की समृद्ध ग्रामीण विरासत, राजसी आतिथ्य परंपरा और सतत एवं जिम्मेदार पर्यटन के क्षेत्र में शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स के निरंतर प्रयासों और उत्कृष्ट योगदान का प्रतीक है।

कार्यक्रम में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भाजपा नेत्री एवं शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स की निदेशक रानी रत्ना कुमारी ने ग्रहण किया। उन्हें यह सम्मान राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी द्वारा प्रदान किया गया।

रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा ने फर्स्ट इंडिया न्यूज़, सम्मानित ज्यूरी सदस्यों तथा राजस्थान पर्यटन विभाग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और भविष्य में भी वे राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति और पर्यटन को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

कनकपुरा स्टेशन पर मालगाड़ी की कपलिंग टूटी

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में स्थित कनकपुरा रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार शाम को चलती मालगाड़ी की अचानक से कपलिंग टूट गई। जिसके चलते मालगाड़ी ट्रेक पर काफी देर खड़ी रहीं। गनीमत रहीं की पीछे वाली ट्रेन ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम के कारण अपने आप रुक गई। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मालगाड़ी की कपलिंग टूटने से पांच -छह ट्रेनें प्रभावित हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरपीएफ कनकपुरा के चौकी प्रभारी हरी सिंह गुर्जर स्टाफ के साथ सुरक्षा व्यवस्था के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रैक को सुचारु करने का काम शुरू किया। ट्रैफिक कंट्रोल टीम ने तुरंत दूसरी लाइन से ट्रेनों को निकालने की व्यवस्था की, ताकि रूट पूरी तरह ब्लॉक न हो। ट्रेनों को सिंगल लाइन के जरिए पास किया गया। तुरंत प्रभाव से कपलिंग को जोड़कर मालगाड़ी को रवाना किया गया। बताया जा रहा है कि इस रूट पर ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम है, इसलिए लाइन पर खड़ी मालगाड़ी को देखते ही पीछे से आने वाली दूसरी ट्रेनें खुद रुक गईं। साथ ही उनका सिग्नल ब्लॉक हो गया।

सार-समाचार

पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास से मुलाकात की

जयपुर। राज निजी सहायक संवर्ग महासंघ के पदाधिकारियों ने राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से उनके कार्यालय में मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश जैन, प्रदेश महामंत्री पृथ्वी सिंह राठौड, प्रदेश संगठन मंत्री मोतीलाल गुर्जर, निजी सहायक महेश शर्मा, विकल्प मिश्रा, दिनेश कुमार, अमित शर्मा उपस्थित रहे।

सेमिनार का आयोजन

जयपुर। युवा दृश्य कथाकारों को प्रेरित करने और उनके कौशल को निखारने के उद्देश्य से इमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसाइटी ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 11वें जयपुर फोटो जर्नलिज़्म सेमिनार का आयोजन किया। एक दिवसीय इस आयोजन में फोटो जर्नलिज़्म, मीडिया, सरकार, सिनेमा और सामाजिक नेतृत्व से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने शिरकत की। सेमिनार में जयपुर के विभिन्न संस्थानों से आए मीडिया विद्यार्थियों और फोटोग्राफी उत्साहियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं के रूप में शामिल थे-गुरिंदर ओसान, फोटो एडिटर, पीटीआई; पुरुषोत्तम दिवाकर, अंतरराष्ट्रीय फोटो जर्नलिस्ट एवं डॉक्यूमेंट्री फ़ोटोग्राफ़र; ऋतु शुक्ला, अतिरिक्त महानिदेशक, पीआईबी एवं सीबीसी, जयपुर; अंशुमन शास्त्री, निदेशक, सेंटर फॉर आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, बनस्थली विद्यापीठ; शेखर घोष, फ़िल्ममेकर, फोटो एडिटर एवं विज़ुअल स्टोरीटेलिंग कंसल्टेंट; नीरू यादव, सरपंच, लम्बी आहिर; रवि यादव, अभिनेता, लेखक एवं निर्माता; और हेमजीत मलू, निदेशक, वीणा म्यूजिक।

बिजली चोरी के 10 मामले पकड़े

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम की सतर्कता शाखा ने मंगलवार को चौमू तथा सांगानेर ग्रामीण क्षेत्र में गहन सतर्कता जांच कार्यवाही की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा एवं अधीक्षण अभियंता (सतर्कता) बी.एल.शर्मा के निर्देशन में सहायक अभियंता (सतर्कता) चौमूं महिपाल धायल ने कालाडेरा, घीनोई, रेनवाल व गोविन्दगढ़ में 25 परिसरों की सतर्कता जांच की। इसमें से 2 दुकानों व 5 घरेलू परिसरों में विद्युत चोरी की जा रही थी। जिस पर 7 वीसीआर भरी गई और करीब 7 लाख का जुर्माना लगाया गया है। अधिशाषी अभियंता (सतर्कता-नोडल ऑफिसर) के.सी.गुप्ता द्वारा सांगानेर के सिरोली क्षेत्र में सतर्कता जांच के दौरान 3 घरेलू परिसरों में एल.टी. लाईन पर अवैध आंकडे डालकर की जा रही विद्युत चोरी को पकड़ा गया, जिस पर 3 वीसीआर भर कर करीब 3 लाख का जुर्माना लगाया गया है। सभी प्रकरणों में उपभोक्तों को जुर्माना राशि जमा करवाने के लिए नोटिस जारी कर दिये गये है। तय समय में जुर्माना राशि जमा नहीं करवाने पर विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जावेगा।

सड़को पर पटाखों की आवाज निकालने वाले साइलेंसरों को किया नष्ट

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने बाइकों में पटाखों की तेज आवाज निकालने वालों मनचलों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बाइक जब्त उसने साइलेंसर खुलवाए और बुलडोजर की मदद से उन्हे नष्ट कर दिया। पुलिस के इस विशेष अभियान की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजराज ने बताया कि पुलिस ने विशेष अभियान के तहत बुलेट बाइकों में तेज आवाज के साइलेंसर लगाकर सड़कों पर हुडदग मचाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया । मंगलवार को पुलिस ने तेज आवाज में हॉर्नर बजाने व पटाखों की आवाज निकालने वाले दुपहिया वाहनों को जब्त किया।

जल संचयन और जनभागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राजस्थान को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

जयपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार और प्रथम जल संचय और जन भागीदारी पुरस्कार को प्रदान किये। पुरस्कार समारोह में जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति ने राजस्थान को देश में तृतीय स्थान हासिल करने पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। राज्य सरकार की ओर से यह पुरस्कार राजस्थान सरकार जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त सचिव और मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने ग्रहण किया।

- **पुरस्कार समारोह में जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति ने राजस्थान को देश में तृतीय स्थान हासिल करने पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया**

राजस्थान सरकार जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त सचिव और मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने पुरस्कार ग्रहण किया।

राष्ट्रपति के हाथों राजस्थान को मिले इस पुरस्कार पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बधाई देते हुए कहा कि यह राजस्थान के लिए गौरव का क्षण है। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने भी गर्व व्यक्त करते हुए जल संसाधन विभाग, जिला प्रशासन तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद भुवन भास्कर ने कहा कि राजस्थान में जल संचय और संरक्षण के क्षेत्र में किए गए नवाचार, वर्षाजल संचयन संरचनाएं, भू-जल पुनर्भरण प्रयास तथा जन सहयोग आधारित मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर विशेष प्रशंसा प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार राजस्थान की जनता और प्रशासन के मिल-जुलकर किए गए समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जल संचयन और जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत छोटे-बड़े जल संरचना निर्माण, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं, जिनमें आम जनता की सक्रिय भागीदारी रही है।

कर्मभूमि से मातृभूमि जैसी अभिनव पहल के माध्यम से जहां राज्य के बाहर बसे प्रवासी व्यापारी वर्ग ने भी अपने मातृस्थान के जल संचयन के कार्यों में योगदान दिया, वहीं स्थानीय प्रशासन की निगरानी और निरंतर प्रयासों ने इस सफलता को संभव बनाया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान राजस्थान के जल संरक्षण मॉडल को देश के सामने एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में पेश करता है और आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि जल संकट से निपटने में प्रदेश और देश को सहायता मिल सके।

'विरासत को संभालकर ही भविष्य मजबूत होगा'

जयपुर । गुलाबी नगर की 298वीं वर्षगांठ पर मंगलवार को नगरीय विकास और स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जयपुरवासियों के नाम एक विशेष संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि जयपुर सिर्फ इमारतों, चौक-चौराहों और बाजारों का शहर नहीं, बल्कि राजस्थान की पहचान, संस्कृति और गौरव का जीवंत स्वरूप है। इसलिए इसे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाए रखना हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

- **स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने खर्रा ने अपील की कि शहर की सफाई को सिर्फ सरकारी काम न समझा जाए**

खर्रा ने कहा कि जिस शहर की नींव महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने अपनी दूरदर्शिता से रखी थी, उसकी जिम्मेदारी आज हमारे हाथ में है। हवामहल, आमेर किला और जंतर-मंतर जैसी विश्वविख्यात धरोहरें सिर्फ स्मारक नहीं, बल्कि राजस्थान के स्वाभिमान की पहचान हैं। इन्हें संभालना और आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

खर्रा ने अपील की कि शहर की सफाई को सिर्फ सरकारी काम न समझा जाए।

उन्होंने कहा, जब जयपुर का हर कोना साफ रहेगा तो दुनिया को दिखेगा कि हम अपनी विरासत से कितना प्रेम करते हैं। उन्होंने कचरे के उचित निपटान, पानी की बचत और पर्यावरण संरक्षण को शहर का भविष्य सुरक्षित करने वाला कदम बताया।

खर्रा ने जयपुर के विकास, हरियाली और सौंदर्यीकरण में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का आ ान करते हुए कहा कि स्थापना दिवस पर हर जयपुरवासी को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह शहर को देश के सबसे स्वच्छ और आकर्षक शहरों में शामिल करने के लिए अपना योगदान देगा।

अंत में खर्रा ने जयपुरवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि सामूहिक प्रयासों से गुलाबी नगर आने वाले वर्षों में प्रगति और सौंदर्य का एक नया मानक स्थापित करेगा।

वन्य जीव विभाग ने प्रदेश में ''कैपटिव एनिमल स्पॉन्सरशिप स्कीम'' लागू की

इस स्कीम के तहत कोई भी व्यक्ति या संस्था वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकती है

कोटा, (निसं)। वन्य जीव विभाग ने राजस्थान में ''कैपटिव एनिमल स्पॉन्सरशिप स्कीम'' लागू की है, जिसके तहत पहली बार कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के वन्य जीव को एडॉप्ट किया गया है। इस स्कीम के तहत कोई भी व्यक्ति या संस्था वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकती है। यह समय सीमा कुछ दिन से लेकर एक साल तक की है या फिर इससे भी ज्यादा समय तक व्यक्ति किसी वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकता है। व्यक्ति या संस्था को एडॉप्ट किए गए वन्य जीव की देखरेख और भोजन के लिए होने वाले खर्च का भार उठाना होगा।

वन्य जीव विभाग के उपवन संरक्षक अनुराग भटनागर का कहना है कि राजस्थान में कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क ने ही इस स्कीम के तहत वन्य जीव एडॉप्ट की व्यवस्था की है। उन्होंने इसके लिए काफी मेहनत की और राज्य सरकार से अनुमति लेकर इसे लागू भी कर दिया है। एनटीपीसी अंता के परियोजना प्रमुख संजीव सक्सेना का कहना है कि उन्होंने 17 लाख की राशि देकर 1 साल के लिए 12 वन्य जीव को एडॉप्ट किया है। एनटीपीसी अंता ने सबसे पहले स्कीम के तहत 12 वन्य जिनमें एक टाईगर, चार पैंथर (दो नर व दो मादा), तीन हाईना (एक नर व दो मादा), तीन ब्लैक बक (एक नर व दो मादा) और एक सांभर शामिल है को एडॉप्ट किया है। हमने यह शुरुआत की है और दूसरे लोगों को भी यह प्रेरणा दे रहे हैं कि वह भी आगे आएं। उनका कहना है कि यह प्रकृति सभी लोगों के लिए बनी है लेकिन ध्यान केवल मनुष्य का रखा जाता है। यह वन्य जीव भी इस संसार और प्रकृति का ही हिस्सा है।

- **स्कीम के तहत पहली बार कोटा के अभेड़ा बायो लॉजिकल पार्क के वन्य जीव को एडॉप्ट किया गया**

डीसीएफ अनुराग भटनागर के अनुसार स्कीम के तहत शेर, भालू, लोमड़ी, सियार, पैंथर, टाइगर, बंदर, हाईना से लेकर सरीसृप मगरमच्छ, अजगर और पक्षियों को एडॉप्ट किया जा सकेगा। इस स्कीम के तहत जोधपुर के माचिया, उदयपुर के सज्जनगढ़, कोटा के अभेड़ा, जयपुर के नाहरगढ़ व बीकानेर मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क शामिल है। इस तरह की स्कीम पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में चल रही है। डीसीएफ अनुराग भटनागर का कहना है कि जरूरी नहीं है कि 1 साल के लिए ही वन्य जीव को एडॉप्ट किया जाए। उसे कुछ दिन के लिए भी एडॉप्ट किया जा सकता है। इसकी पूरी कार्य योजना बनाई गई है जिसके अनुसार व्यक्ति 5 दिन या 10 दिन के लिए भी वन्य जीव को एडॉप्ट कर सकता है। इसमें उनके कुछ हजार रुपए खर्च होंगे। वह जिस जानवर को एडॉप्ट करना चाहता है उसके सालाना खर्च के अनुसार तय किए दिन का पैसा लिया जा सकता है। भटनागर का कहना है कि सरकार से गाईडलाईन को अनुमोदित करवाया गया है। इसी के अनुसार उसे स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल प्रोसीजर (एसओपी) के अनुसार कार्य किया।

अनुराग भटनागर का कहना है कि इसके तहत जनसहभागिता को प्रोत्साहन देना है और एंक्लोजर में बंद वन्य जीव का देखभाल सुनिश्चित करना है। इससे वन्य जीव विभाग पर भार भी कम होगा। लोगों का कनेक्शन बढ़ने से बायोलॉजिकल पार्क में फुटफॉल भी बढ़ेगा। इसके बाद इन जू और बायोलॉजिकल पार्क में सुविधा भी विकसित होने लगेगी क्योंकि वन्य जीव की देखभाल में होने वाले खर्चे की फॉरेस्ट विभाग को बचत होगी और यह पैसा सुविधा विकसित करने में खर्च होगा। वन्य जीव के देखभाल के साथ-साथ उसके भोजन, सफाई, नियमित स्वास्थ्य जांच और अन्य खर्च को शामिल किया जाएगा। स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत वन्यजीव को घर नहीं ले जा सकेंगे। साथ ही छूने, खिलाने, संभालने, खेलने व एंक्लोजर में जाने की अनुमति नहीं होगी। स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत व्यक्ति को वन्य जीव विभाग के जरिए आई कार्ड जारी कर दिया जाएगा। प्रायोजक अपने परिवार या जानकार पांच व्यक्तियों के साथ बायोलॉजिकल पार्क में निशुल्क प्रवेश ले सकेंगे। स्पॉन्सरशिप लेने वाली संस्था या व्यक्ति नाम एडॉप्ट किए गए वन्य जीव के एंक्लोजर के बाहर प्रदर्शित किया जाएगा। इस स्कीम के तहत दी गई राशि आयकर अधिनियम की धारा 80-जी के तहत कर मुक्त होगी। स्पॉन्सरशिप लेने वाले व्यक्ति को बायोलॉजिकल पार्क के कई आयोजन में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। अनुराग भटनागर के अनुसार व्यक्ति इसके लिए वन्य जीव विभाग में आकर आवेदन कर सकता है। इसके साथ ही बायोलॉजिकल पार्क के इंचार्ज को भी वह फॉर्म जमा कर सकता है जिस पर निर्णय मुख्य वन्य जीव संरक्षक लेंगे। मुख्य वन्य जीव संरक्षक के अनुशंसा के बाद सदस्यता स्वीकृत हो जाएगी। इसके बाद एडॉप्ट वाली संस्था और व्यक्ति को भुगतान करना होगा।

दुकान में आग लगी, हादसे के दौरान पास की दुकानों में थे 108 सिलेंडर

बीकानेर, (निसं)। करणी औद्योगिक क्षेत्र में लगी आग बड़े हादसे में तब्दील हो सकती थी। गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। ये आग आसपास की दुकानों तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो जाता।

जानकारी के अनुसार आग वाली दुकान के पास ही दो दुकानों में 108 सिलेंडर रखे हुए थे। आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड टीम को पास की दुकानों में सिलेंडर होने की सूचना मिली थी, जिस पर रसद विभाग को सूचना दी गई। मोबाइल की दुकान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर फटने से आग लगी। इसकी सूचना मिलने के बाद आग बुझाने फायर ऑफिसर पहुंचे तो उन्हें वहां आसपास बड़ी संख्या में अवैध गैस सिलेंडर मिले। रसद विभाग ने फायर ऑफिसर की सूचना पर सिलेंडर जब्त किए। आग बुझाने पहुंची टीम के फायर ऑफिसर ने रसद विभाग के प्रवर्तन निरीक्षक प्रखर भार्गव को दूरभाष पर सूचित किया।

- **गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया**
- **मोबाइल की दुकान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई थी**

रसद विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। तब तक फायर ऑफिसर की अगुवाई में फटे कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आग पर काबू पा लिया गया था। उसी दुकान में एक घरेलू गैस सिलेंडर भी था। इस दौरान वहां एक व्यक्ति पहुंचा और उसने बताया कि वह दुकान उसकी है, लेकिन वह वहां से भाग गया।

स्थानीय लोगों से वहां दो अन्य संदिग्ध दुकानों में अवैध गैस सिलेंडर होने की जानकारी मिली तो प्रवर्तन अधिकारी ने मुक्ता प्रसाद नगर पुलिस को मौके पर बुलाया। इसके बाद पुलिस की उपस्थिति में दो संदिग्ध दुकानों के ताले तोड़े गए। एक दुकान में 23 और दूसरी में 77 घरेलू सिलेंडर मिले। इसके अलावा छह कमर्शियल सिलेंडर भी थे। इस प्रकार इन 106 सिलेंडर मिले। वहीं एक फटा हुआ कमर्शियल और एक घरेलू सिलेंडर सहित कुल 108 गैस सिलेंडर जब्त करते हुए उन्हें एक गैस गोदाम में सुरक्षित रखवाया गया है।

इतनी बड़ी मात्रा में अवैध सिलेंडर रखे हुए थे लेकिन रसद विभाग को इस बारे में कोई सूचना नहीं थी। आसपास के दुकानदारों ने ही फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस और रसद विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ये दुकानें मुक्ता प्रसाद नगर थाने से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर है। पुलिस को भी खबर नहीं लगी कि यहां अवैध रूप से इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडर रखे हुए हैं।

गांव बल्लाना में सरकारी बोरिंग का पानी खेतों में, लोग प्यासे

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेड़ा क्षेत्र में केसरपुर ग्राम पंचायत के गांव बल्लाना में सरकारी बोरिंग के पानी से खेतों में सिंचाई हो रही है। वहीं गांव के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। महिला-पुरुषों ने सरपंच पर सरकारी बोरिंग का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए हैं।

- **महिला-पुरुषों ने सरपंच पर सरकारी बोरिंग का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए**
- **जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए बोरिंग का पानी ग्रामीणों तक सुचारू रूप से नहीं पहुंच रहा है**

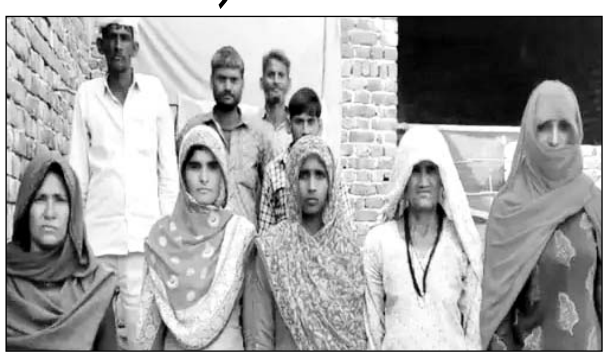

वार्ड पंच सहित कई ग्रामीणों ने प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

गांव की महिलाओं ने कहा कि हमारे घरों में पीने को पानी नहीं आ रहा है। सरपंच व उनके लोग खेतों में सरकारी बोरिंग से सिंचाई करने में लगे हैं। शिकायत के बाद भी किसी सरकारी अधिकारी ने सुध नहीं ली है। ग्राम पंचायत केसरपुर के गांव बल्लाना में जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए बोरिंग का पानी ग्रामीणों तक सुचारू रूप से नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वार्ड 4 में एक वर्ष से पेयजल की भारी किल्लत है। वहीं बोरवेल से निकलने वाला पानी कथित रूप से सिंचाई में उपयोग किया जा रहा है। वार्ड पंच रहिसन बानो ने बताया कि सरपंच प्रतिनिधि तिग्गू व उमरदीन के खेती में सिंचाई के लिए पानी का उपयोग किए जाने से ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने इसे केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना का दुरुपयोग बताया।

वहीं जलदाय विभाग के सहायक अभियंता भगवान सहाय ने कहा कि यह योजना सिंचाई के लिए नहीं, बल्कि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए है। यदि किसी भी प्रकार की शिकायत मेरे पास आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में वार्ड पंच रहीसन बानो, हसीना बानो, हंसीरा, अशरफी, संजू, अकबर, रमजान, अंजन, मौसम सहित कई ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

गांव राठीखेड़ा में प्रस्तावित 400 करोड़ की एथेनॉल फैक्टरी फिर विवादों में

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के टिब्बी क्षेत्र के गांव राठीखेड़ा में प्रस्तावित 400 करोड़ की एथेनॉल फैक्टरी एक बार फिर विवादों में है। फैक्टरी बंद करने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ साल से किसान व ग्रामीण धरना दे रहे हैं। आज किसानों का गुस्सा उस समय भड़क उठा, जब पुलिस ने सुबह-सुबह करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद पूरे इलाके में हिंसक माहौल बन गया गया और राठी खेड़ा गांव छावनी में तब्दील हो गया।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान नेता महंगा सिंह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें महंगा सिंह एक गाड़ी में अपने साथियों के साथ पुलिस से बचकर भाग रहे हैं। महंगा सिंह और उनके साथियों के पीछे पुलिस के गाड़ियां लगी हुई है।

- **फैक्टरी बंद करने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ साल से किसान व ग्रामीण धरना दे रहे हैं**
- **किसान आक्रोशित हुये, जब पुलिस ने सुबह करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया**
- **राठीखेड़ा गांव में 12 थानों की पुलिस तैनात, विधायक अभिमन्यु पूनिया ने गिरफ्तारी दी, 15 किलोमीटर दायरे में इंटरनेट सेवाएं बंद**

इसमें महंगा सिंह कह रहे हैं कि अगर एक्सीडेंट में उनकी जान चली गई तो जिला व पुलिस प्रशासन इसका जिम्मेदार होगा।

स्थानीय प्रशासन व पुलिस ने किसानों के इस विरोध को कुचलने के लिए राठी खेड़ा के 15 किलोमीटर दायरे में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी गई हैं। बाहर से आने वाले रास्तों पर पुलिस ने नाके लगा दिए हैं, ताकि दूसरे गांवों के किसान यहां न पहुंच सके। टिब्बी सहित आस-पास के थानों की पूरी फोर्स सड़कों पर उतर आई है। बीकानेर और श्रीगंगानगर से आरएसी व क्यूआरटी की टीमें भी बुला ली गई हैं। राठीखेड़ा गांव छावनी में तब्दील हो चुका है।

मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदीलाल मीणा, एएसपी जनेश तंवर, संगरिया एसडीएम जय कौशिक, हनुमानगढ़ एसडीएम मांगीलाल सुथार, टिब्बी एसडीएम सत्यनारायण सुधार, रावतसर एसडीएम संजय जिंदल, नायब तहसीलदार सूर्यदेव स्वामी समेत तमाम आला अधिकारी राठीखेड़ा में ही डटे हैं। पुलिस का कहना है फिलहाल स्थिति काबू में है।

वहीं मामले को लेकर किसानों का कहना है कि फैक्टरी का निर्माण होने से पूरा इलाका सेम (क्षारीकरण) की चपेट में है। एथेनॉल फैक्टरी का गंदा पानी अगर जमीन में गया तो हजारों एकड़ खेती बर्बाद हो जाएगी। ऊपर से वायु प्रदूषण से आने वाली नस्लें बीमारियों की शिकार हो जाएंगी। यही वजह है कि 15 महीनों से लगातार धरना चल रहा था। हालांकि, आज किसानों के विरोध-प्रदर्शन के बीच फैक्टरी का निर्माण कार्य शुरू हो गया।

चरवाहे की हत्या का खुलासा

भीलवाड़ा। जिले के हमीरगढ़ में चरवाहे की हत्या का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तारभीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में बकरियां चराने गए वृद्ध चरवाहे की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या और लूट की वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है। हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि घटना करीब पांच दिन पहले हवाई पट्टी के पास हुई थी, जब एक वृद्ध चरवाहा अपनी बकरियां चरा रहा था। उसी दौरान बदमाशों ने उसे बंधक बनाकर हाथ-पैर और मुंह कपड़े से बांध दिए। इसके बाद हत्या कर मौके से दो बकरे चुरा ले गए। पुलिस ने शव मिलने के बाद जांच शुरू की और आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तफ्तीश में सामने आया कि आरोपी बंधक बनाकर लूट करने वाले गिरोह के सदस्य हैं।

मेयो कॉलेज अजमेर के 150 वर्ष पूर्ण होने पर चार दिवसीय समारोह 27 से

समारोह में कला प्रदर्शनियां, पोलो मैच, विंटेज कार शो, लाईव म्यूजिक आदि कार्यक्रम शामिल

अजमेर। देश के प्रतिष्ठित शैक्षिणक संस्थान मेयो कॉलेज, अजमेर ने इस माह अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरे किए हैं। इसी उपलक्ष्य में मेयो कॉलेज के हेरिटेज अजमेर कैम्पस में 27 से 30 नवंबर तक भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इस चार दिवसीय समारोह में विशेष असेंबली, कला प्रदर्शनियां, कपूरिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई एंड रोबोटिक्स का उद्घाटन, हार्वर्ड बनाम मेयो पोलो मैच, विंटेज कार डिस्प्ले, क्यूरेटेड फैशन शो और सोनू निगम, सलमान अली व युफोरिया के लाइव कार्यक्रम जैसे आकर्षण शामिल होंगे।

समारोह के अंतर्गत, 29 नवंबर को मुख्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रख्यात भारतीय उद्यमी नंदन नीलेकणी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और अपनी उपस्थिति से विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे। स्कूल की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मेयो कॉलेज जनरल काउंसिल के अध्यक्ष, जोधपुर के एच.एच. महाराजा गज सिंह ने कहा,

मेयो की स्थापना की 150वीं वर्षगांठ समग्र शिक्षा, सहभागिता और संस्थागत नवीनीकरण का उत्सव है। यह तथ्य कि मेयो न केवल जीवित रहा है, बल्कि डेढ़ सदी से फल-फूल रहा है, संरक्षण और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाने की उसकी क्षमता का प्रमाण है। इस अवसर पर मेयो कॉलेज के प्रिंसिपल, सौरव सिन्हा ने कहा कि मेयो के 150 वर्ष पूरे करते हुए हमें गर्व है कि हम देश के अग्रणी लिगेसी स्कूल का हिस्सा हैं। यहां हमारे कुछ ऐसे छात्र हैं जिनके परिवार की छह पीढ़ियां मेयो का हिस्सा रही हैं, वहीं हम विविधता को भी महत्व देते हैं और देश-दुनिया के हर कोने से छात्रों का स्वागत करते हैं। मेयो में शिक्षा अकादमिक उत्कृष्टता, तकनीकी कौशल, खेल, ललित कला, संगीत और थिएटर का संतुलित संगम है।

पिछला वर्ष भी पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया और एलुनाई चैप्टर 150 इयर्स- सेलिब्रेशंस न केवल पूरे भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर आयोजित किए गए। ओल्ड बॉयज़ सोसाइटी (ओबीएस) के अध्यक्ष कर्नल भवानी सिंह और 150वीं वर्षगांठ समारोह के संयोजक हरमीत सिंह के नेतृत्व में, केंद्रित प्रेरणा और निर्बाध योजना के साथ, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, यूके और यूएई में समारोह आयोजित किए गए। इसी प्रकार भारत में भी, मुंबई, रांची, दिल्ली, चंडीगढ़, उदयपुर, बैंगलोर, कानपुर, पुणे, आगरा, गुवाहाटी, कोटा, अजमेर, कोलकाता, जयपुर, इलाहाबाद, जोधपुर, चेन्नई, अहमदाबाद और इंदौर में समारोह आयोजित किए गए।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1875 में भारत के तत्कालीन वायसराय, लॉर्ड मेयो के विजन से स्थापित यह संस्थान आज भी शिक्षा, अनुशासन और विरासत का प्रतीक बना हुआ है। 150 वर्षों से, मेयो कॉलेज सिर्फ एक स्कूल से कहीं बढ़कर, एक ऐसी विरासत रही है जिसने मूल्यों और चरित्र के माध्यम से पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया है और अपने मोटो: ''लैट देयर बी लाइट'' के साथ आने वाली कई पीढ़ियों तक ऐसा करता रहेगा।

फरार हिस्ट्रीशीटर मदिया और प्रशांत के फॉलोवर्स पर पुलिस का शिकंजा

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया का मर्डर करने के मामले में फरार चल रहे बिसाऊ थाने के हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया तथा बदमाश प्रशांत उर्फ पोखर के फॉलोअर्स पर भी पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। झुंझुनूं जिले की धनूरी थाना पुलिस ने श्रीकृष्णपुरा जीत की ढाणी से छह युवकों को तथा मंडावा पुलिस ने भी तीन युवकों दबोचा है। इन युवकों ने हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया, बदमाश प्रशांत उर्फ पोखर समेत अन्य गैंग्स और बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो कर रखा था। इसके अलावा धनूरी पुलिस ने तीन नाबालिगों की भी काउंसलिंग कर उनके परिजनों को बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स फॉलो ना करने की हिदायत दी है।

धनूरी एसएचओ सुभाषचंद्र ने बताया कि झुंझुनूं पुलिस की सोशल मीडिया सेल लगातार बदमाशों और गैंगों के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर बनाए हुए है। जिन्हें फॉलो करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बदमाशों के आपसी झगड़े में मारे गए हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया तथा डेनिस बावरिया के मर्डर में शामिल मुख्य आरोपी प्रशांत उर्फ पोखर, दोनों ही धनूरी थाना इलाके के जीत की ढाणी श्रीकृष्णपुरा के रहने वाले है, इसलिए गांव में युवकों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। इसी दौरान सामने आया कि गांव के कुछ युवक ना केवल मंदीप उर्फ मदिया, प्रशांत उर्फ पोखर, डेनिस बावरिया, बल्कि अन्य गैंगों और बदमाशों को सोशल मीडिया फॉलो करने वाले छह युवकों रूपेन्द्र पुत्र हरिराम नायक, जोनी पुत्र महेश मीणा, पवन कुमार पुत्र विद्याधर सिंह मेघवाल, अंकित कुमार पुत्र रणजीतसिंह मेघवाल, अनूप कुमार पुत्र रामदेवसिंह जाट व विजयपाल पुत्र रामकुमार मेघवाल को गिरफ्तार किया है। एसएचओ ने बताया कि इन छह युवकों को पूछताछ के लिए लाया गया था, लेकिन पूछताछ में सहयोग ना करने पर और उग्र होने पर इन्हें शांतिभंग की धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। तीन नाबालिगों की काउंसलिंग करके उनके परिजनों को जानकारी दी गई है।

- **धनूरी थाना पुलिस ने छह व मंडावा पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया**

मंडावा एसएचओ रामनारायण चोयल ने बताया कि मंडावा कस्बे के वार्ड नंबर 13 निवासी आबिद शेख पुत्र रसिद शेख, वार्ड नंबर 17 निवासी विकास पुत्र रामकुमार भोपा तथा वार्ड नंबर 12 निवासी दाउद पुत्र अय्यूब शेख को गिरफ्तार किया गया है। तीनों ने सोशल मीडिया पर मदिया समेत अन्य बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो कर रखा था। जिन्हें पूछताछ के लिए थाने लाया गया। पूछताछ में सहयोग ना करने पर और उग्र होने पर तीनों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

बृजेश ज्योति उपाध्याय, एसपी, झुंझुनूं ने बताया कि अपराधियों का महिमामंडन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पूरे जिले में 10 दिन का विशेष अभियान आज से शुरू किया गया है।

हत्यारों को सजा दिलाने के लिए अस्सी साल की मां भूख हड़ताल पर बैठी

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के कलेक्ट्रट के बाहर स्व. गणपत सिंह के हत्या के आरोपियों को गिरपतार की मांग को लेकर सर्व समाज का धरना जारी है। पिछले कई महिनों से हत्या का राजफाश नहीं होने से अस्सी साल की मां स्वयं भूख हड़ताल पर बैठी है, जहां मंगलवार सुबह डॉ. रमेश चौधरी ने मेडिकल चेकअप किया।

- **15 महीने बाद भी पुलिस हत्या का खुलासा नहीं कर पाई है**

अस्सी साल की मां का डॉ. रमेश चौधरी ने मेडिकल चेकअप किया।

जानकारी के अनुसार जालोर जिले के सीकवाडा रोड पर 28 अगस्त 2024 को गणपत सिंह की निर्मम हत्या हुई थी। उनका शव दुकान से 500 मीटर दूर औंधे मुंह कीचड़ में पड़ा मिला था। परिजनों का आरोप है पुलिस ने अब तक किसी भी आरोपी को नहीं पकड़ा। हमें ये ही नहीं मालूम चल पाया कि आखिर हत्या क्यों की गई। किराना व्यापारी के बेटे के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए 80 साल की मां कलेक्ट्रेट के सामने दो दिन से धरने पर बैठी हैं। 15 महीने बाद भी पुलिस उनके बेटे के हत्या का खुलासा नहीं कर पाई है। इससे नाराज किराना व्यापारी के परिजन तीसरी बार धरने पर हैं और इस बार अनिश्चितकालीन भूख हडताल की चेतावनी दी है।

जालोर एसपी शैलेन्द्र सिंह इंदौलिया ने कहा कि मामले में पहले जांच सांचौर सीओ चरण गोपी नाथ कांबले के पास थी। अब जालोर एएसपी मोटाराम गोदारा के पास है। इसमें कुछ पॉइंट पर जांच चल रही हैं। जल्द खुलासा करेंगे।

धरने पर गणपत सिंह की पत्नी भारती कंवर (40), मां हवा कंवर (80), भाई अभय सिंह (54), भाभी प्रकाश कंवर (45), भाभी धीरज कंवर (42) सोमवार से कलेक्ट्रेट के सामने अनिश्चितकालीन भूख हडताल पर बैठे हैं। गणपत सिंह की पत्नी भारती कंवर ने अगस्त महीने में गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिख कर मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी।

प्याज की स्थिति का आंकलन करने केंद्रीय दल अलवर पहुंचा

अलवर, (निसं)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा गठित केंद्रीय दल के अधिकारी उप कृषि विपणन सलाहकार विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय बी.के. पृष्टि, उप निदेशक उद्यान तकनीकी प्रभाग डॉ. बी.डी. निगम, उप निदेशक समन्वित कीट प्रबंधन अर्जुनाल बैरवा, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी मूल्य निगरानी प्रभाग चिराग भाटिया, वरिष्ठ उद्यान अधिकारी ए.के. सिंह ने अलवर के दौरे पर रहकर जिले में खरीफ प्याज की स्थिति का आंकलन करने हेतु भ्रमण किया। इस दौरान केंद्रीय दल के अधिकारियों द्वारा कृषि उपज मंडी सभागार में अधिकारियों, प्याज विपणन से जुड़े व्यापारियों की बैठक ली। बैठक में अधिकारियों ने जिले में खरीफ प्याज के उत्पादन, वर्तमान भाव, भण्डारण इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की तथा व्यापारियों एवं प्याज कृषकों से खरीफ प्याज के भण्डारण एवं भाव सुधार के संबंध में फीडबैक लिया। इसके उपरान्त केंद्रीय दल के अधिकारियों गांवों में प्याज उत्पादक कृषकों के खेतों का अवलोकन कर प्याज उत्पादन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के संबंध में चर्चा कर कृषकों को प्याज उत्पादन से संबंधित नवीन तकनीकों को अपनाने का सुझाव दिया।

जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने छठे ''राष्ट्रीय जल पुरस्कार- 2025'' 'प्रथम जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी)' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अलवर जिले का पश्चिमी क्षेत्र जिले की तृतीय श्रेणी में प्रथम स्थान पर चयन होने पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र को राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू की ओर से केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

फैक्टरी द्वारा केमिकल युक्त पानी नहर में डाले जाने का विरोध

बूंदी, (निसं)। अंथडा रोड पर स्थित फैक्टरी द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी नहर में डाले जाने का विरोध क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा लगातार किया जा रहा है। फैक्ट्री द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी नहर में छोड़ने को लेकर एक दर्जन क्षेत्रीय किसानो ने तालेडा उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। किसान नेता पवन श्रृंगी ने बताया कि अंथडा रोड पर स्थित फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा केमिकल युक्त जहरीला पानी सीएडी की नहरों में छोड़ा जा रहा है, जो फसलों के लिए ही नहीं अपितु पशुओं के लिए भी नुकसानदायक होगा। इससे पशुओं के पीने योग्य पानी और फसलों की सिंचाई का पानी खराब हो रहा है।

ईडन गार्डन्स की पिच में कोई खराबी नहीं थी और भारतीय बल्लेबाज स्पिन लेती पिच पर खेलने के लिए तैयार नहीं थे।
– चेतेश्वर पुजारा

भारतीय खिलाड़ी, गंभीर के पिच वाले बयान पर पलटवार करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कार्लोस अल्कराज

विश्व नंबर 1 कार्लोस अल्कराज चोट के कारण इटली के बोलोग्ना में होने वाले डेविस कप फाइनल के लिए स्पेन की टीम से हट गए हैं। रविवार को एटीपी फाइनल्स के फाइनल में जैनिक सिनर से हारने के बाद अल्कराज को हैमस्ट्रिंग में हल्की चोट लगी थी, और हालांकि वह प्रतियोगिता में भाग लेने की उम्मीद से बोलोग्ना गए थे, लेकिन जांच के बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''मेरे दाहिने हैमस्ट्रिंग में सूजन है और चिकित्सा सलाह है कि मैं प्रतियोगिता में भाग न लूँ।''

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम का एक और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड एम.एस. धोनी की कप्तानी में सभी आईसीसी टूर्नामेंट (टी-20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप) जीतने का है।

बल्ले से स्टंप पर वार पड़ा महंगा, बाबर आजम पर आईसीसी का एक्शन, 10% मैच फीस कटी

नई दिल्ली, 18 नवंबर। आईसीसी ने रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी स्टार बाबर आज़म पर जुर्माना लगाया है। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन के लिए उन पर मैच फीस का 10 जुर्माना लगाया गया है। यह अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है और यह पूर्व पाकिस्तानी कप्तान का 24 महीनों में पहला अपराध है।बाबर आज़म पर तीसरे वनडे के दौरान आउट होने के बाद बल्ले से स्टंप्स पर गेंद मारने के लिए जुर्माना लगाया गया है। यह घटना पाकिस्तान की बल्लेबाजी पारी के 21वें ओवर में हुई जब वे 212 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा कर रहे थे। जेफरी वेंडरसे ने बाबर आज़म को 34 रन पर आउट कर दिया और बाबर आज़म इस आउट से खुश नहीं थे। क्रीज छोड़ने से पहले, उन्होंने अपना बल्ला स्टंप्स पर मारा और इसलिए, ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया।

वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन : हरमनप्रीत बनी अंतर्राष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर

जयपुर, 18 नवंबर। वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन 2025 का 10वां संस्करण इस वर्ष एक खास उपलब्धि के साथ आयोजित होने जा रहा है, जिसमें भारतीय महिला क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय इवेंट एम्बेसडर की भूमिका निभाएंगी। वह 30 नवंबर, 2025 को जयपुर के महल रोड, एनआरआई चौराहा से इस मैराथन की औपचारिक फ्लैग-ऑफ समारोह में हिस्सा लेंगी। इस 10वें संस्करण में, वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन भारत के सबसे लोकप्रिय सामुदायिक फिटनेस आयोजनों में से एक के रूप में विकसित हो चुकी है। इस संस्करण में भारत और विदेश के 15,000 से अधिक धावक भाग लेंगे, जो सभी मिलकर वेदांता की प्रमुख मुहिम को आगे बढ़ाएंगे – जिसका उद्देश्य पोषण सुधार और स्वस्थ, समावेशी भविष्य का निर्माण करना है। हरमनप्रीत कौर की भागीदारी इस आयोजन में आकर्षण और उद्देश्य दोनों लेकर आएगी। भारत की सबसे प्रभावशाली खेल हस्तियों में से एक के रूप में उनकी उपस्थिति प्रतिभागियों को ऊर्जा प्रदान करेगी और फिटनेस, समानता तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश और मजबूत करेगी। 'एनी बॉडी कैन रन' द्वारा आयोजित, वेदांता द्वारा समर्थित और फिनोवा कैपिटल द्वारा पॉवर्ड यह मैराथन सहनशक्ति, उद्देश्य और सामूहिक प्रयास का प्रतीक बनी हुई है। कौर की उपस्थिति इस आयोजन को विशेष रूप से युवाओं को फिटनेस अपनाने और सामाजिक विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी।

राजस्थान की शीर्ष अमेच्योर गोल्फर ईति ने प्रोफेशनल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल कर रचा इतिहास

जयपुर, 18 नवंबर। राजस्थान की शीर्ष अमेच्योर गोल्फर ईति चौधरी ने नोएडा में आयोजित प्रोफेशनल क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल -1 अंडर स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया।ईति चौधरी ने दो दिन के राउंड में क्रमशः -2 और का स्कोर कार्ड खेला ,जिससे उन्होंने क्वालिफाइंग राउण्ड को नम्बर का1 स्थान के साथ पूरा किया। कनोरिया कॉलेज, मनोविज्ञान (ऑनर्स) की छात्रा ईति मात्र 5 वर्ष की उम्र से अपने पिता एवं गोल्फ कोच मगन डूडी के मार्गदर्शन में गोल्फ की बारीकियाँ सीख रही हैं। अमेच्योर नेशनल्स में भी उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया। ईति राजस्थान की पहली लड़की हैं, जिन्होंने इंडिया गर्ल्स एंड विमेंस ओवरऑल की रैंकिंग में रहते हुए पीआरओ क्वालिफाई किया है-यह उपलब्धि हर गोल्फर का सपना होती है। ईति की सफलता का श्रेय उनके कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास को जाता है। वह प्रतिदिन 6-8 घंटे अभ्यास करते हुए अपनी पढ़ाई के साथ संतुलन बनाए रखती हैं। गोल्फ के साथ-साथ ईति अपने स्कूल की कैप्टन और बास्केटबॉल की भी एक उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं। इस मुकाम तक ईति को पहुँचाने में राजस्थान के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय अंशुमान सिंह के पुत्र और अंशुमान सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी अरुण प्रताप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जो स्वयं यूएसए में नियमित गोल्फ खेलते हैं। ईति चौधरी की इस सफलता में रामबाग गोल्फ क्लब और उनके पिता मगन डूडी का प्रेरणादायक और अत्यंत महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जिसने उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया।

शुभमन गिल गुवाहाटी जायेंगे, लेकिन खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा

कोलकाता, 18 नवंबर। शुभमन गिल टीम के साथ गुवाहाटी जायेंगे, लेकिन दूसरे टेस्ट में उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। यह टेस्ट 22 नवंबर से शुरू होगा, जिसमें भारत श्रृंखला में 0-1 से पीछे है। गर्दन में ऐंठन के कारण भर्ती होने के बाद रविवार रात कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से, गिल शहर के आईटीसी सोनार में टीम के साथ हैं। सूत्रों का कहना है कि भारतीय कप्तान, जिनकी गर्दन में अकड़न के कारण बल्लेबाजी केवल तीन गेंदों तक ही सीमित रही, बुधवार (19 नवंबर) को टीम के साथ उड़ान भरने वाले हैं।

एक जानकार सूत्र ने क्रिकबज़ को बताया, ''यही मूल योजना थी और अभी इसमें कोई बदलाव नहीं है - गिल यात्रा करेंगे।'' ''आखिरी समय में बदलाव को छोड़कर, उन्हें गुवाहाटी में ही रहना चाहिए।'' सुझाव थे कि वह विशेषज्ञ की राय के लिए मुंबई जाएं, लेकिन वह योजना रद्द कर दी गई।

बीसीसीआई और स्थानीय डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। टीम प्रबंधन और चयनकर्ता लगातार एक-दूसरे के संपर्क में हैं। यह स्पष्ट है कि सभी संबंधित पक्ष चाहते हैं कि गिल टेस्ट खेलें, लेकिन वे उन्हें जल्दबाजी में वापस न लाने पर भी अड़े हैं। उनकी भागीदारी पर अंतिम फैसला मैच से एक दिन पहले लिया जाएगा। भारत ईडन गार्डन में पहला टेस्ट 30 रनों से हार गया था, क्योंकि दूसरी पारी में 124 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया था। गिल महत्वपूर्ण दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे, क्योंकि वह अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे।

नीतीश रेड्डी टीम में शामिल

इस बीच, राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने दाएं हाथ के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को कोलकाता बुलाया है। उन्होंने सोमवार देर रात टीम होटल में चेक-इन किया और बुधवार सुबह टीम के साथ गुवाहाटी के लिए उड़ान भरने वाले हैं।

नितीश भारत ए की सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा होने के नाते राजकोट में थे, जो वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेल रही है। पता चला है कि सोमवार देर शाम उन्हें कोलकाता जाने के लिए कहा गया और वे तुरंत वहां पहुंच गए। नितीश मूल रूप से टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट शुरू होने से पहले उन्हें टीम से निकाल दिया गया और राजकोट में सीमित ओवरों के मैच खेलने

के लिए कहा गया। उन्होंने 13 और 16 नवंबर को खेले गए पहले दो मैचों में हिस्सा लिया, जिनमें भारत ने जीत हासिल की, लेकिन 19 नवंबर को होने वाले तीसरे मैच से पहले उन्हें वापस बुला लिया गया।

नितीश को भेजा गया एसओएस इस बात का संकेत है कि वह दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं, यह अभी भी अटकलें हैं, लेकिन भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी बहस चल रही है, जिसमें ईडन टेस्ट में छह बाएं हाथ के बल्लेबाज शामिल थे। नितीश दाएं हाथ के हैं, जो उनके पक्ष में काम कर सकता है, हालाँकि टीम प्रबंधन की विशेषज्ञों की बजाय ऑलराउंडरों को तरजीह देने के लिए आलोचना भी हुई है।

भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाली महिला वनडे और टी-20 सीरीज स्थगित

ढाका, 18 नवंबर। बंगलादेश महिला टीम की भारत यात्रा को फ़िलहाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। इस सीरीज में दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाने थे। बीसीबी के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बोर्ड को बीसीसीआई से एक पत्र मिला है जिसमें कहा गया है कि इस सफ़ेद गेंद की सीरीज अब किसी और समय आयोजित की जाएगी। इस स्थगन की कोई औपचारिक वजह नहीं बताई गई है। लेकिन माना जा रहा है कि भारत और बंगलादेश के बीच मौजूदा राजनीतिक तनाव इस फैसले की अहम वजह रही। यह सीरीज आईसीसी के फ़्यूचर टूर्स प्रोग्राम का हिस्सा थी और डब्ल्यूपीएल के अगले संस्करण से पहले भारत की आख़िरी अंतरराष्ट्रीय सीरीज होती। यह मुक़ाबले कोलकाता और कटक में होने की उम्मीद थी। वनडे मुकाबले दोनों टीमों के लिए नई विमेंस वनडे चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत होती। इससे पहले इसी साल भारत पुरुष टीम टी20 और वनडे सीरीज को आगे बढ़ाकर सितंबर 2026 कर दिया गया था, जो मूल रूप से अगस्त 2025 में आयोजित होनी थी। उस समय बीसीसीआई ने कहा था कि यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच बातचीत के बाद लिया गया है ताकि दोनों टीमों की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और शेड्यूलिंग को बेहतर तरीके से ध्यान में रखा जा सके। बीसीसीआई ने कहा था कि वह सितंबर 2026 में भारत का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। दौरे की नई तारीखें जल्द जारी की जाएंगी।

25वीं समर डेफ ओलंपिक : टोक्यो जापान में राजस्थान की बेटी ने नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया

नई दिल्ली, 18 नवंबर। 25वीं समर डेफोलम्पिक, 2025, जो कि टोक्यो जापान में आयोजित की जा रही 09 दिवसीय (दिनांक 15.11.2025 से 26.11.2025 तक) 10 मीटर एयर पिस्टल वूमन शूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान की खिलाडी अनुया प्रसाद ने 241.1 के स्कोर के साथ नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर, पूरे भारत देश का नाम विश्व में रोशन किया। राजस्थान की इस बेटी ने सभी दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जो कि उक्त खिलाड़ी के लिये बहुत ही सम्मानजनक क्षण है। इसी प्रतियोगिता में साथी भारतीय महिला खिलाड़ी प्रान्जली प्रशान्त धूमल ने 236.80 स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में ईरान देश की खिलाडी महला समी ने 215.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। उक्त खिलाड़ी अनुया प्रसाद जयपुर में स्थित ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर में अभ्यासरत है। जगतपुरा शूटिंग रेंज ने राज्य व देश को कई राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय एवं ओलम्पिक स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ी दिये है। आगे भी राजस्थान राईफल एसोसिएशन का प्रयास रहेगा की आगामी प्रतियोगिताओं में भी राज्य व देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक दिलाकर राज्य व देश को गौरवान्वित करेंगे।

यू.एस. पोलो एसन. जयपुर पोलो टीम का आधिकारिक परिधान साझेदार घोषित

जयपुर, 18 नवंबर। भारत की प्रतिष्ठित जयपुर पोलो टीम ने 2025-2026 पोलो सीजन के लिए यू.एस. पोलो एसन. को अपना आधिकारिक परिधान साझेदार नियुक्त किया है। इस साझेदारी के उपलक्ष्य में टीम ने नया अभियान 'स्ट्रॉन्गर टुगेदर' लॉन्च किया है, जो विरासत, उत्कृष्टता और एकता जैसे साझा मूल्यों को रेखांकित करता है। यह सहयोग दो संस्थानों-यू.एस. पोलो एसन. की शालीन शैली और जयपुर पोलो टीम की दृढ़ता व कौशल को एक मंच पर लाता है।

अभियान का मुख्य संदेश- एवरी गैलॉप। एवरी स्ट्राइक। एवरी हार्टबीट। टुगेदर, अनस्टॉपेबल। पोलो की मूल भावना को दर्शाता है, जहां टीमवर्क, विश्वास और रणनीति हर क्षण को परिभाषित करते हैं। यह दिखाता है कि कैसे यू.एस. पोलो एसन. के सदाबहार परिधान परंपरा और प्रदर्शन को मैदान के अंदर व बाहर सहजता से जोड़ते हैं। इस अभियान में प्रभावी कहानी कहने, फिल्में, अनुभवात्मक गतिविधियाँ और पूरे सीजन की सक्रियताएं शामिल होंगी। जयपुर के महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, कप्तान, जयपुर पोलो टीम ने कहा: मेरे लिए पोलो एक

जीवंत विरासत है जो मेरे परिवार के इतिहास को वर्तमान की ऊर्जा से जोड़ती है। यू.एस. पोलो एसन. के साथ हमारी साझेदारी परंपरा, जुनून और दृढ़ता जैसे साझा मूल्यों पर आधारित है। 'स्ट्रॉन्गर टुगेदर' के माध्यम से हम मैदान पर टीम की स्पिरिट और पीढ़ियों को जोड़ने वाले बंधनों का उत्सव मनाते हैं। मेरा विश्वास है कि यह सहयोग युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा और पोलो की भावना को और सशक्त बनाएगा।

यश की शानदार गेंदबाजी से आर.डी. एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 18 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज आर.डी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मुकाबले में यश वर्मा 3.1 ओवर 1 मेडन 2 रन और 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत आर.डी. क्रिकेट एकेडमी ने डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से शान 20 रन ही दहाई की संख्या को पार कर सके। शेष बल्लेबाज यश वर्मा 2 रन पर 4 विकेट हिमांक सैनी 17 रन पर 2 विकेट अनिल कुमार व विजेन्द्र कुमार प्रत्येक 1-1 विकेट की किफायती गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम 14.1 ओवर में 51 रन बनाकर सिमट गयी।

जवाबी पारी में आरडी क्रिकेट एकेडमी ने गर्भित व्यास 28 रन, अमन तिरूपाली 10 रन नाबाद की मदद से विजय लक्ष्य मात्र 9.3 ओवर में 3 विकेट खोकर 55 रन बनाकर हासिल कर लिया और 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच यश वर्मा आर.डी. क्रिकेट एकेडमी रहे।

प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे चिराग-सात्विक

सिडनी, 18 नवंबर। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने राउंड ऑफ 32 के मैच में गैर-वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की जोड़ी चांग को-ची और पो ली-वेई को 48 मिनट में 25-23, 21-16 से हराया। भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने धीमी शुरुआत की और शुरुआती गेम में 6-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन लगातार चार अंक बनाकर वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया। चांग को-ची और पो ली-वेई ने 9-7 के स्कोर पर फिर से बढ़त बना ली, लेकिन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने वापसी जारी रखी और स्कोर 9-9 और फिर 16-16 पर बराबरी पर आ गए। 19-19 के स्कोर पर मुकाबला कड़ा हो गया, जहां शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अपना धैर्य दिखाया और तीन गेम पॉइंट बचाकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। चिराग-सात्विक ने 7-4 की बढ़त बनाई, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 8-8 कर लिया और फिर 10-8 से आगे हो गई।

तीरंदाजी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल में कुल 744 खिलाड़ी खेलेंगे

भरतपुर में 200 खिलाड़ी लगाएंगे बॉक्सिंग में पंच तीरंदाजी जगतपुरा में, बैडमिंटन व बास्केटबॉल एसएमएस स्टेडियम में होंगे

जयपुर, 18 नवंबर। खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन राजस्थान के 07 संभागों जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा एवं भरतपुर में 24 नवंबर से 5 दिसम्बर तक किया जा रहा है। इन गेम्स में 24 खेलों को शामिल किया गया है, जिसमें 23 पदक खेल एवं एक खेल खो-खो को प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल किया गया है। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् डा. नीरज के. पवन ने बताया कि तीरंदाज़ी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग व बास्केटबॉल में कुल 744 पुरूष व महिला खिलाडी भाग लेंगे। इन खेलों में से सर्वाधिक 200 खिलाडी बॉक्सिंग में पंच लगाते दिखाई देंगे।

उन्होंने बताया कि जगतपुरा शूटिंग रेंज, जयपुर में तीरंदाजी और सवाई मानसिंह स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल में बैडमिंटन का आयोजन 24 से 28 नवंबर तक होगा, बॉक्सिंग का आयोजन भरतपुर में 1 से 5 दिसंबर तक, जबकि बास्केटबॉल का आयोजन सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम, जयपुर में 1 से 5 दिसंबर तक किया जाएगा। डा. नीरज के. पवन ने बताया कि तीरंदाजी स्पर्द्धा में रिकर्व और कंपाउंड दोनों तरह की इवेंट होंगी। रिकर्व में 80 महिला व 80 पुरूष खेलेंगे, वहीं इतने ही तीरंदाज कंपाउंड में भी निशाना साधेंगे। एक टीम में 4 खिलाडी खेलेंगे, जबकि शेष के टॉप 8 विष्वविद्यालयों के तीरंदाज इसमें पदक के लिये दावा पेश करेंगे। इसी प्रकार बैडमिंटन में 192 शटलर अपना भाग्य आजमाएंगे, जिसमें 16 पुरूष व 16 ही महिला वर्ग की टीम भाग लेंगी। इसमें केवल टीम स्पर्द्धा ही आयोजित होंगी। पुरूषों की प्रत्येक टीम में 7 खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि महिला वर्ग की प्रत्येक टीम में 5 खिलाड़ी होंगी।

उन्होंने बताया कि बास्केटबॉल में कुल 192 खिलाड़ी खेलेंगे। 8 पुरूष व 8 महिला टीमों में प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ी होंगे। बॉक्सिंग में 200 मुक्केबाज पंच लगाएंगे। इसमें 104 पुरूष व 96 महिला मुक्केबाज खेलेंगी। पुरूषों में 46-48 किग्रा, 51-54 किग्रा, 54-57 किग्रा, 57-60 किग्रा, 60-63.5 किग्रा, 63.5-67 किग्रा, 67-71 किग्रा, 71-75 किग्रा, 75-80 किग्रा, 80-86 किग्रा, 86-92 किग्रा और 92 किग्रा से अधिक बॉक्सिंग इवेंट शामिल हैं। महिलाओं में 50-52 किग्रा, 52-54 किग्रा, 54-57 किग्रा, 57-60 किग्रा, 60-63 किग्रा, 63-66 किग्रा, 66-70 किग्रा, 70-75 किग्रा, 75-81 किग्रा और 81-81 से अधिक किग्रा की स्पर्द्धाएं शामिल हैं।

कियाना ने कॉमनवेल्थ शतरंज में स्वर्ण जीता

उदयपुर, 18 नवम्बर। राजस्थान में उदयपुर की कियाना परिहार ने रविवार को मलेशिया के कुआलालम्पुर में सम्पन्न हुई कॉमनवेल्थ शतरंज चैम्पियनशिप- 2025 में 10 वर्षीय आयुवर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। कियाना ने ब्लिट्ज में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुआलालम्पुर में आठ से 17 नवम्बर तक आयोजित इस 10 दिवसीय प्रतियोगिता में 30 देशों के 900 शतरंज खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों की प्रतिस्पर्धा में शिरकत की। कियाना के पिता जितेन्द्र परिहार ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को बताया कि कियाना ने ब्लिट्ज खिताब के साथ ही क्लासिकल प्रारूप में कांस्य पदक भी जीता। इस उपलब्धि के साथ ही कियाना ने अब तक 10 अन्तरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। इससे पहले कियाना ने वैश्विक स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान के अल्माटी में आयोजित हुई वर्ल्ड कैडेट शतरंज चैम्पियनशिप - 2025 में 10 वर्ष आयु वर्ग में कांस्य पदक जीता। साथ ही ग्रीस के रोड्स में आयोजित वर्ल्ड यूथ ब्लिट्ज शतरंज चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। इससे वह विश्व स्तर की प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली राजस्थान की पहली खिलाड़ी बनी।

राजस्थान ने अरुणाचल प्रदेश को 4-1 से हराया

जयपुर, 18 नवंबर। जुनियर बालिका वर्ग राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता टियर 1 में जो कि आंध्रप्रदेश के अनंतपुरारम में आयोजित हो रही है। जिसमें आज दिनांक 18/11/2025 सायं 3:30 बजे राजस्थान का पहला मैच अरुणाचल प्रदेश के साथ खेला गया। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की राजस्थान टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और मैच के 9 वे मिनट में ही राजस्थान टीम की ओर से जर्सी नंबर 6 साक्षी ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश ने मध्यांतर से पहले 45वे मिनट गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद राजस्थान टीम ने दूसरे हाफ में जवाबी हमला करते हुए 56वे मिनट में आफरीन बानो ने गोल कर राजस्थान को बढ़त दिला कर स्कोर 2-1 कर दिया। और इसके बाद राजस्थान टीम ने आक्रमण ओर तेज कर दिए और मैच के 64 वे मिनिट में जर्सी नंबर 17 में खेल रही भानु प्रिया ने गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके जवाब में अरुणाचल प्रदेश की टीम ने कई जवाबी हमले किए परन्तु राजस्थान टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उनके हमले नाकामयाब कर दिये। मैच के 72वे मिनट में भानु प्रिया ने राजस्थान टीम की ओर से एक और गोल कर दिया और इसके बाद मैच के अंतिम समय में 77 वे मिनिट में राजस्थान टीम की ओर से जर्सी नंबर 11 में खेल रही मंजू ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। राजस्थान टीम ने मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। राजस्थान की मंजू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दिल्ली 296 रन पर सिमटी, पहली पारी में 274 रन से पिछड़ी

राजसमंद, 18 नवंबर। दिल्ली की तरफ तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक बनाये लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। दिल्ली की टीम राजस्थान के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में मंगलवार को 296 रन पर सिमट गयी और राजस्थान से पहली पारी में 274 रन के बड़े अंतर से पिछड़ गयी। राजस्थान ने अपनी पहली पारी सात विकेट पर 570 रन के विशाल स्कोर पर घोषित की थी और अब उसका पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल करना तय हो गया है। दिल्ली की तरफ से अर्पित राणा ने 62, वैभव कांडपाल ने 62, प्रणव राजवंशी ने 57 और सिद्धांत शर्मा ने 46 रन बनाये। राजस्थान की तरफ से कुकना अजय सिंह और जयदीप सिंह ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि अनिकेत चौधरी और अशोक शर्मा को दो-दो विकेट मिले।

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी राजस्थान-पॉन्डिचेरी मैच (तीसरे दिन राजस्थान मजबूत)

जयपुर में जैपुरिया ग्राउंड पर खेले जा रहे राजस्थान पॉन्डिचेरी मैच के तीसरे दिन का खेल :- **राजस्थान के गेंदबाज नावेद खान ने टीम के लिए 35/4 विकेट लेकर 51 रन बनाये।**

पॉन्डिचेरी पहली पारी 314 आल आउट।राजस्थान पहली पारी 338 आल आउट। टीम के लिए कुशाग्र ओझा 66, जयवर्धन सिंह 48, ओसनिक ग्रोवर 30, आदित्य सैनी 49,नावेदखान 51, कविश घुणावत 24, जतिन 28रना।पॉन्डिचेरी के गेंदबाज सुरेंद्र बिश्नोई 51/5 व शिवा 32 /3 विकेट।पॉन्डिचेरी दूसरी पारी 137 आल आउट।तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान के गेंदबाजों ने पॉन्डिचेरी की दूसरी पारी मात्र 137 रनो के स्कोर पर समेट दी।राजस्थान के गेंदबाज नावेद खान 35/4, जतिन 27/3, हनी प्रताप, अभिषेक प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

राज्य सीनियर टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी

पहला मैच टीम बी - टीम डी (टीम डी जीती), टीम बी पारी 95 आल आउट। टीम के लिए जयंत 32, भवानी 31 रना।टीम डी के गेंदबाज रामेश्वर ग्यारी 11/4, विश्वजीत सिंह 31/3 विकेट। टीम डी पारी 96/5, टीम के लिए पुनीत मिश्रा 38 , युवराज सिंह 25 रना।टीम बी के गेंदबाज दुष्यंत कच्छावा 16 / 2 व राजीव 40 / 2 विकेट। **दूसरा मैच** टीम सी - टीम ऐ (टीम ऐ जीती),टीम सी पारी 156/5,टीम के लिए मनेंद्र सिंह 86, राहुल तोमर 31 रना।टीम ऐ के गेंदबाज पुलकित गुप्ता 29/2 विकेट।टीम ऐ पारी 157 / 5, टीम के लिए समरजीत सिंह 49, पुखराज कुमार 41, सचिन शर्मा नाबाद 29 रन,टीम सी के गेंदबाज ऋतिक 33/2 विकेट।

प्रधानमंत्री आज किसान सम्मान निधि की किश्त बैंक खातों में स्थानांतरित करेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल दुर्गापुरा से इस समारोह में शामिल होंगे, सभी जिलों में भी कार्यक्रम आयोजित होंगे

जयपुर, 18 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवम्बर को 'पीएम-किसान उत्सव दिवस' के अवसर पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किश्त किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेंगे। इस अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा से शामिल होंगे। साथ ही, राज्य के सभी जिलों में भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान की अब तक जारी हुई 20 किश्तों में राजस्थान के कृषकों को 25 हजार 142 करोड़ रूपए की राशि हस्तांतरित हो चुकी है।**

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरूआत से लेकर अब तक 20 किश्त जारी की जा चुकी हैं। जिससे राज्य के कृषकों को 25 हजार 142 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित हुई है। साथ ही, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अब तक 4 किश्तों के माध्यम से 2 हजार 73 करोड़ रुपये की राशि भी राज्य के किसानों के खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

कार्यक्रम के तहत पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से राज्य के 66 लाख 62 हजार किसानों को 1 हजार 332 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। राजस्थान में किसानों को अतिरिक्त राहत प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू है, जिसके अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के सभी पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 3 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि दी जा रही है।

बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक दल की बैठक की निगरानी और नेतृत्व चयन प्रक्रिया पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। यह टीम विधायकों की राय जुटाने के साथ ही, अगले नेता के चयन की प्रक्रिया को सुचारु बनाने में मदद करेगी। सूत्रों के मुताबिक राजग के अन्य दल भी अपना नेता चुनेंगे। इसके बाद राजग विधायकों की एक बैठक में नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। जिसके बाद कुमार राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

अल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से मान्यता प्राप्त होने का फर्जी दावा किया, जिससे छात्रों, अभिभावकों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को भ्रमित कर गलत तरीके से लाभ कमाया गया। एफआईआर में यह भी उल्लेख है कि विश्वविद्यालय ने यूजीसी एक्ट, 1956 की सेक्शन 12(ब) के तहत मान्यता प्राप्त होने का झूठा दावा फैलाया, जबकि वास्तव में यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी केवल सेक्शन 2(एफ) के अंतर्गत, राज्य के निजी विश्वविद्यालय के रूप में शामिल है।

सऊदी में ही दफन होंगे 45 भारतीय ज़ायरीनों के शव

तेलंगाना सरकार हर व्यक्ति के परिवार से दो लोगों को सऊदी अरब भेजेगी

रियाद, 18 नवम्बर। सऊदी अरब के मक्का-मदीना हाईवे पर हुए भीषण बस हादसे ने भारत के कई परिवारों को गहरा सदमा पहुंचाया है। यह दुर्घटना तब हुई, जब उमराह के लिए जा रही यात्रियों से भरी एक बस को पीछे से एक तेज रफ्तार फ्यूल टैंकर ने टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में 45 भारतीय नागरिकों की जान चली गई, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे और इनमें से अधिकतर हैदराबाद के रहने वाले थे। इस दुखद घटना के बाद तेलंगाना मंत्रिमंडल ने एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसला लिया है कि मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर को अब भारत नहीं लाया जाएगा।

- **सऊदी अरब के नियमों के अनुसार उमराह शुरु करने से पहले ज़ायरीन घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करते हैं कि उनकी मृत्यु सऊदी में हो जाए तो उन्हें वहीं दफनाया जाए।**
- **सऊदी नियमों के अनुसार मृतकों के परिजनों को मुआवज़ा मिलना भी मुश्किल है इसमें लंबी कानूनी प्रक्रिया करनी पड़ती है।**

तेलंगाना सरकार ने घोषणा की है कि बस हादसे में जान गंवाने वाले 45 भारतीय तीर्थयात्रियों के शवों को, उनके धार्मिक रिवाजों के अनुसार, सऊदी अरब में ही दफनाया जाएगा। यह निर्णय सऊदी अरब के कानून और हज एवं उमराह मंत्रालय के नियमों को देखते हुए लिया गया है। नियमों के मुताबिक, जो तीर्थयात्री यात्रा शुरू करने से पहले घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करते हैं, उनकी मृत्यु सऊदी की जमीन पर होने पर शवों को वहीं दफनाया जाता है। सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए एक भावुक कदम उठाया है। हर मृतक परिवार से दो सदस्यों को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सऊदी अरब भेजा जाएगा। भारत सरकार रियाद में भारतीय दूतावास के जरिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि सभी औपचारिकताओं को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। मृतक परिवारों को तुरंत मुआवजा मिलना भी काफी कठिन है। सऊदी अरब में सड़क दुर्घटनाओं में सरकार की ओर से कोई सीधा मुआवजा नहीं दिया जाता। मुआवजा तभी मिल सकता है, जब पुलिस की जांच में यह साबित हो जाए कि दुर्घटना टैंकर ड्राइवर या उसकी कंपनी की गलती से हुई थी। गलती साबित होने के बाद भी परिवार को कानूनी दावा दायर करना होगा।

थरूर ने फिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रविशंकर प्रसाद के साथ बड़े सौहार्दपूर्ण ढंग से बैठे दिखाई दे रहे थे। उनके दूसरी ओर कांग्रेस छोड़ चुके गुलाम नबी आजाद बैठे थे।

थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण का एक बड़ा हिस्सा "मैकाले की 200 साल पुरानी गुलाम मानसिकता की विरासत को उलटने "पर केन्द्रित था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की विरासत, भाषाओं और ज्ञान परंपरा में स्वाभिमान लौटाने के लिए 10 साल का राष्ट्रीय अभियान चलाने की अपील की।

थरूर ने कहा, "कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री का भाषण आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आ ान, दोनों का मिला-जुला रूप था, जिसने देश को विकास के लिए बेचैन रहने का आग्रह किया। मुझे कार्यक्रम में उपस्थित होकर खुशी हुई..."

प्रधानमंत्री 19वीं सदी के ब्रिटिश सांसद थॉमस बैबिंगटन मैकाले का जिक्र कर रहे थे, जो 1834 में भारत आए थे और जिन्हें देश में पश्चिमी शिक्षा प्रणाली की शुरुआत का श्रेय दिया जाता है, जिसमें पूरे देश के सभी स्कूलों में अंग्रेजी को अधिकारिक भाषा बनाना भी शामिल था।

प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत की पुरानी शिक्षा प्रणाली में हमें अपनी संस्कृति पर गर्व करना सिखाया जाता था। पढ़ाई के साथ कौशल भी सिखाया जाता था। इसलिए मैकाले ने भारत की शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ को तोड़ने का फैसला किया... और वह इसमें सफल रहा।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "मैकाले ने यह सुनिश्चित किया कि उस दौर में ब्रिटिश भाषा और ब्रिटिश सोच को ज़्यादा मान्यता मिले, और भारत को इसकी क़ीमत सदियों तक चुकानी पड़ी। उसने हमारा आत्मविश्वास तोड़ा और हमें हीन भावना से भर दिया।"

थरूर द्वारा की गई प्रधानमंत्री के भाषण की प्रशंसा भी कांग्रेस नेताओं को पसंद आने की संभावना कम है, क्योंकि यह पहला अवसर नहीं है, जब उन्होंने प्रधानमंत्री की इतनी खुलकर तारीफ़ की है।

चार बार सांसद रहे थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ महीनों में तेज़ी से बिगड़े हैं, खासकर तब से, जब अप्रैल 22 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्हें सरकार के प्रतिनिधिमंडल में विपक्ष का चेहरा बनाया गया था।

थरूर ने अमेरिका और चार अन्य देशों के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था और वापस लौटने पर उनकी मुलाकात सौहार्दपूर्ण (दोस्ताना) अन्दाज़ में प्रधानमंत्री से हुई थी, जिसके बाद उनके दल बदलने की अटकलें और तेज हो गई थीं।

'अमेरिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाती है, लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता कि रिश्तों में कोई गतिरोध है। दोनों देशों के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण और रणनीतिक बने हुए हैं।"

गोयल ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका के साथ हाल ही में हुआ एलपीजी आयात समझौता कई वर्षों का हो सकता है, जो दोनों देशों की मजबूत मित्रता और बढ़ती साझेदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "हमने अभी-अभी एक बड़ा एलपीजी समझौता किया है, जिसके तहत हर साल 2.2 मिलियन टन एलपीजी का आयात लम्बे समय तक किया जाएगा। यह एक जारी रहने वाली प्रक्रिया है और दोनों देश परस्पर व्यापार और वाणिज्य बढ़ाने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं।" यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने और रूसी कच्चे तेल पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के बाद, दोनों देशों के बीच के संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गये थे। प्रस्तावित व्यापार समझौते का लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार को वर्तमान 191 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक करना है। अमेरिका, भारत के बाजार में बादाम, पिस्ता, सेब, एथेनॉल और जेनेटिकली मॉडिफाइड उत्पादों जैसे सामानों की अधिक पहुंच बनाना चाहता है। वर्ष 2024-25 में, अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा तथा दोनों देशों के बीच 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ, जिसमें 86.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात शामिल है। यह भारत के कुल माल निर्यात का लगभग 18 प्रतिशत, आयात का 6.22 प्रतिशत और कुल व्यापार का 10.73 प्रतिशत है।

'राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिर्फ दिखावा और ध्यान भटकाने की रणनीति में ही रुचि रखते हैं।

मुख्य समस्या यह है कि राहुल गांधी व्यवहारिक नेता नहीं हैं। वे चुनावों की बारीकियों को संभालने या रणनीति बनाने में उस स्तर पर सक्रिय नहीं हैं, जैसा भाजपा के बड़े नेता करते हैं। उन्हें उनकी ही रणनीति में मात देना राहुल गांधी के लिए बहुत बड़ा और कठिन काम है, जिसके लिए न उनके पास धैर्य है, और न ही राजनीतिक कौशल।

और दुख की बात यह है कि उनके पास ऐसे समर्पित लोग भी नहीं हैं, जो इस काम को संभाल सकें।

20 नवंबर को दसवीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से रहेंगे। चिराग पासवान की एलजेपी (आरवी) को दो मंत्री मिलने की संभावना है, जबकि एचएएम-एस और आरएलएम को एक-एक पद मिलेगा। खबरों के अनुसार, चिराग तीन पदों की मांग कर रहे हैं किन्तु उन्हें कम पर सहमत करवाने की कोशिश जारी है। नए मंत्रिमंडल में लगभग आधा दर्जन नए चेहरे शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा भी होंगे, जो महनार सीट से जीते हैं।

गौरतलब बात यह है कि नए मंत्रिमंडल में जेडीयू की हिस्सेदारी पहले से काफी अधिक होगी। पिछली सरकार में भाजपा के बाईस मंत्री थे, जबकि जेडीयू के सिर्फ बारह। इस बार दोनों दल लगभग बराबरी पर हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 89 विधायक हैं, जेडीयू के 85, एलजेपी (आरवी) के 19, एचएएम-एस के पाँच और आरएलएम के चार। पिछली विधानसभा में भाजपा के पास 74 सीटें और जेडीयू के पास 43 सीटें थीं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री के साथ कुल 20 मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना है। इनमें भाजपा और जेडीयू में से प्रत्येक के लगभग 6-7 मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा एलजेपी (आरवी) के दो मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आएलएम) से भी एक-एक मंत्री शपथ लेंगे।

देश भर के नेताओं की मौजूदगी में, 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में होने वाला नीतीश कुमार का शपथ ग्रहण समारोह बड़े स्तर पर होगा, पर इतने बड़े स्तर पर होने वाला यह पहला समारोह नहीं है। 2005 के बाद से हुए चुनावों के बाद, उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ चार बार ली है, जिनमें से तीन बार शपथ ग्रहण समारोह गांधी मैदान में ही हुआ है। यह स्थल स्वतंत्रता पूर्व से ही बड़े और महत्वपूर्ण आयोजनों का साक्षी रहा है।

20 नवंबर के शपथ-ग्रहण समारोह में नीतीश दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

आरिफ़ मोहम्मद, नीतीश कुमार को शपथ दिलाने वाले पिछले ढाई दशक में आठवें राज्यपाल होंगे। वर्ष 2000 में वी.सी. पांडे ने उन्हें पहली बार शपथ दिलाई थी, और 20 नवंबर 2025 को आरिफ़ मोहम्मद खान शपथ दिलाएंगे। इन वर्षों में बूटा सिंह, देवानंद कोंवर, रामनाथ कोविंद, केसरी नाथ त्रिपाठी, फागू चौहान और राजेन्द्र विशाल अरलेकर भी उन्हें शपथ दिला चुके हैं। 2015 के बाद, अक्सर परिवर्तित हुए राजनैतिक गठजोड़ों के कारण, त्रिपाठी और चौहान ने उन्हें दो-दो बार शपथ दिलाई थी।

'एआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर अपनी राय दी है। लेकिन वित्तीय इतिहास बताता है कि ऐसी कोई भी बड़ी गिरावट व्यापक आर्थिक संकट का कारण बन सकती है।

हालांकि पिचाई ने अपने शब्दों में क्या संकेत दिया है यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह मानना गलत नहीं होगा कि ए.आई. क्षेत्र में कोई अचानक रुकावट आई, तो इसका असर तेजी से पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है और एक गंभीर वित्तीय संकट भी पैदा हो सकता है।

यह और भी संभव है क्योंकि आज के वित्तीय बाज़ार और अर्थव्यवस्थाएँ पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए, जैसा पिचाई संकेत देते हैं, बेहतर होगा कि हम संभलकर आगे बढ़ें और उम्मीद रखें कि हालात अच्छे रहें।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908